RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

प्यार भावनाओं के बारे में कम है। यह प्रिय की सेवा करने की जिम्मेदारी लेने के बारे में अधिक है।

गौर गोपाल दास

वर्ष-06, अंक - 45 (साप्ताहिक) खवासा, गुरूवार 01 अगस्त 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

आईएएस बनने के लिए पूजा खेड़कर ने माता-पिता के नाम भी बदले

नई दिल्ली।

यूपीएससी ने ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की 2022 परीक्षा की उम्मीदवारी रद्द कर दी है। उन्हें भविष्य की परीक्षाओं में भी शामिल होने से प्रतिबंधित कर दिया है। यूपीएससी की ओर से कहा गया है कि, पूजा खेडकर ने न सिर्फ अपना नाम बदला, बल्कि अपने माता पिता का नाम भी बदल दिया।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने कई विवादों में घिरी ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की यूपीएससी उम्मीदवारी रद्द करने की घोषणा की है। साथ ही उन पर यूपीएससी की भविष्य में होने वाली सभी परीक्षाओं में भी शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

बता दें कि, महाराष्ट्र कैडर की आईएएस पूजा खेडकर पर सिविल सेवा परीक्षा में विकलांगता और अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर-क्रीमी लेयर) कोटा का दुरुपयोग करने का आरोप है।

यूपीएससी की ओर से कहा गया कि, आईएएस बनने के लिए पूजा खेडकर ने अपना नाम ही नहीं बदला, बल्कि अपने माता-पिता का नाम भी बदल दिया। पूजा खेडकर ने एसओपी का पालन नहीं किया और नाम बदलकर यूपीएससी परीक्षा दी। जो एसओपी का उल्?लंघन है। यूपीएससी ने यह भी कहा है कि, आगे से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए एसओपी को और मजबूत किया जाएगा।

शो कॉज नोटिस किया था जारी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 18 जुलाई, 2024 को सिविल सेवा परीक्षा-2022 (सीएसई-2022) की उम्?मीदवार व ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर पर कई आरोप लगने के बाद शो कॉज नोटिस जारी किया था। इस नोटिस में पूजा खेडकर पर अपनी पहचान को नकली बनाकर धोखाधड़ी से परीक्षा नियमों के तहत तय सीमा से अधिक बार यूपीएससी परीक्षा के अटेप्ट के आरोप पर जवाब मांगा गया,पूजा खेडकर को शो कॉज नोटिस का उत्तर 25 जुलाई, 2024 तक देना था, लेकिन उन्होंने अपने उत्तर के लिए आवश्यक दस्तावेज जुटाने के लिए 4 अगस्त, 2024 तक का समय मांगा था।

लाल बत्ती गई, फिर अफसरी छिनी, अब जेल जाएगी पूजा ?

यूपीएससी ने पूजा खेडकर की रिक्वेस्ट पर विचार करते हुए उन्हें शो कॉज नोटिस के जवाब के लिए दोबारा 30 जुलाई, 2024 को दोपहर 3:30 बजे तक का समय दिया और पूजा खेडकर को स्पष्ट रूप से सूचित किया गया था कि, यह उनका अंतिम अवसर है और समय में कोई और वृद्धि नहीं की जाएगी। उन्हें स्पष्ट रूप से बताया गया कि, यदि उपर्युक्त तिथि,समय तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ, तो यूपीएससी बिना किसी और संदर्भ के आगे की कार्रवाई करेगा। समय की बढ़ोतरी के बावजूद, वह निर्धारित समय के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने में असफल रहीं। जिसके बाद यूपीएससी ने पूजा खेडकर की उम्मीदवारी रद्द करने का फैसला लिया।

यह है आरोप

आरोप है कि, पूजा खेडकर ने वर्ष 2020 में यूपीएससी की परीक्षा के लिए डॉ. खेडकर पूजा दिलीपराव के नाम से फॉर्म भरा और अपनी उम्र 30 साल बताई। वहीं वर्ष 2023 में अपना नाम बदलकर उन?होंने मिस पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर कर लिया और अपनी उम्र 31 वर्ष बताई।

नर्मदा में बड़ा हादसा, डूबने से एक ही परिवार के 3 सदस्यों की मौत

महेश्वर। इंदौर से महेश्वर एक परिवार घूमने गया था। घूमने के बाद नर्मदा में नहाने के लिए उतर गए, लेकिन वहां पर बड़ा हादसा हो गया।पहले बेटा डूबा और चिल्लाया तो मां उसे बचाने के लिए नदी में कूद पड़ी। इसके बाद पीछे बेटी भी गई. तीनों की डूबने से मौत हो गई। मां-बेटी का शव मिल गया है, बेटे की खोज की जा रही है।

मध्य प्रदेश के खरगोन में पर्यटन नगर महेश्वर में नर्मदा नदी में नहाने के दौरान बेटे के डूबने पर मां-बेटी बचाने नर्मदा में कूदे. मां-बेटी सहित 18 वर्षीय बेटे की डूबने से मौत हो गई है। पुलिस ने सर्चिंग करके मां और बेटी के शव बाहर निकाले। इस घटना में एक परिवार मिनटों में खत्म हो गया। घटना महेश्वर के पेशवा घाट की है, जहां पर नहाने के लिए परिवार रुका था।

स्नान के दौरान नर्मदा नदी में 18 वर्षीय विक्रम पिता कारण सिंह डूबने लगा तो 44 वर्षीय मां उर्मिला पति करण सिंह राजपूत निवासी अरविन्दो हॉस्पिटल के पास इंदौर और 25 वर्षीय बहन मोहिनी पति संजय दास भवानीनगर इंदौर विक्रम को बचाने के लिए नदी में कूद गए।

नहाने के लिए प्रतिबंधित है ये घाट

एसडीएम अनिल जैन का कहना है राजपूत परिवार इंदौर से भ्रमण के लिए महेश्वर आया था। यहां पेशवा घाट पर वे नहाने के लिए पहुंचे. ये घाट नहाने के लिए प्रतिबंधित है. यहां नहाने के दौरान महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई है और एक युवक की तलाश की जा रही है।

मनिका बत्रा पर टिकीं नजरें: लवलीना, लक्ष्य सेन, पीवी सिंधू को मिली जीत

नई दिल्ली।

पांचवें दिन भारत को निशानेबाज में अच्छी खबर मिली। स्वप्निल कुसाले ने 3 पोजिशंस राइफल के फाइनल में जगह बना ली है। पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन, श्रीजा अकुला और लवलीना बोरगोहेन ने भी अपने-अपने मुकाबले जीत लिए हैं।

भारत के लिए पेरिस ओलंपिक-2024 का पांचवां दिन अच्छा रहा है। निशानेबाजी में स्वप्निल कुसाले ने मेंस 3 पोजिशंस राइफल के फाइनल मे जगह बना ली है और मेडल की दावेदारी पेश कर दी है। वहीं टेबल टेनिस में भारत को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। श्रीजा अकुला ने प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है और वहां यहां तक पहुंचने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं।

बैडमिंटन में पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने अपने-अपने मुकाबले जीत पदक की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं। सिंधू को अपना मैच जीतने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। वहीं लक्ष्य को जोनाथन क्रिस्टी के सामने पहले गेम में संघर्ष करना पड़ा। आर्चरी मे दीपिका कुमारी ने फिर निराश किया। टोक्यो ओलंपिक-2020 की ब्रॉन्ज मेडल विनर महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को हालांकि अपना मुकाबला जीतने में कोई परेशानी नहीं आई।

तारा देवी से शिमला के बीच बनेगा एशिया का सबसे लंबा रोपवे, 15 मिनट में तय होगा रोमांच भरा सफर

शिमला।

तारादेवी से शिमला के लिए अगले साल एशिया का सबसे लंबा रोपवे तैयार होने जा रहा है। खास बात ये है कि इसका किराया काफी कम रहेगा और यात्री केवल 15 मिनट में 13 किलोमीटर की दूरी तय कर सकेंगे। साथ ही ये सफर काफी रोमांचित होने वाला है क्योंकि इसके माध्यम से आप बेहद खूबसूरत वादियों का दीदार कर सकेंगे।

राजधानी शिमला में विश्व का दूसरा और भारत व एशिया का सबसे लंबा रोपवे यानि रज्जू मार्ग बनेगा। तारादेवी से शिमला के बीच बनने वाले रोपवे की लंबाई 13.79 किलोमीटर होगी। इसके निर्माण पर 1734.40 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रोपवे से शहर के 15 स्टेशन जुड़ेंगे।

इसका निर्माण कार्य एक मार्च 2025 को शुरू होगा। रोपवे से लोग 12 से 15 मिनट के भीतर 13.79 किलोमीटर का सफर तय कर सकेंगे। इस प्रोजेक्ट के बनने के बाद शिमला शहर में जाम की समस्या दूर हो जाएगी। वन संरक्षण अधिनियम

(एफसीए) की मंजूरी के लिए सभी दस्तावेज पोर्टल पर पहली अप्रैल को अपलोड कर दिए हैं।

रोपवे रूट की लाइनों के नाम मोनाल, देवदार व एप्पल रखे हैं। न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) से वित्त पोषित इस प्रोजेक्ट पर 20 प्रतिशत बजट प्रदेश सरकार खर्च करेगी। प्रोजेक्ट की जगह का बैंक की टीम फैक्ट फाइंडिंग मिशन के तहत दो से 10 जून तक निरीक्षण कर चुकी है।

एनडीबी ने कॉन्सेप्ट नोट 12 जुलाई को मंजूर कर दिया है। दिसंबर में प्रस्तावित एनडीबी की निदेशक मंडल की बैठक में प्रोजेक्ट को मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद त्रिपक्षीय समझौते के बाद टेंडर अवार्ड होगा। हिमाचल प्रदेश रोपवे ट्रांसपोर्ट डेवलपमेंट कारपोरेशन (आरटीडीसी) ने बुधवार को शिमला इनोवेटिव अर्बन ट्रांसपोरटेशन रोपवे प्रोजेक्ट पर सिंपोजियम कार्यक्रम का आयोजन किया। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि चिंतपूर्णी व रोहतांग में प्रस्तावित रज्जू मार्ग का निर्माण कार्य भी प्रदेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि स्विट्जरलैंड व आस्ट्रेलिया की तरह हिमाचल रज्जू मार्गों का जाल बिछाएगा।

वायनाड त्रासदी : जो रात में सोया, सुबह मलबे में मिला...

केरल।

केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 156 तक पहुंच गई है। जबकि 100 लोग लापता हैं। लगातार हो रही बारिश की वजह से बचाव राहत कार्य में दिक्कतें आ रही हैं. मुंडक्कई और चूरलमाला के बीच का पुल टूटने की वजह से लैंडस्लाइड से प्रभावित इलाकों से संपर्क टूट गया है। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। जिसकी वजह से हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। जमीन के रास्ते ही लोगों को बाहर निकालने की कोशिशें हो रही हैं।

केरल के वायनाड में मंगलवार तड़के पहाड़ से बहकर आए सैलाब ने हाहाकार मचा दिया है। करीब 22 हजार की आबादी वाले 4 गांव सिर्फ 4 घंटे में पूरी तरह तबाह हो गए है।. घर दफन हो गए और सैकड़ों लोग मलबे में दब गए. अब तक 156 लोगों की मौत होने की खबर है. 100 लोग अभी भी लापता हैं। राहत और बचाव कार्य में भी मुश्किलें आ रही हैं. इस आपदा ने 11 साल पहले आई केदारनाथ त्रासदी की यादें ताजा कर दी हैं। जो रात में सोया था, उसे उठने तक का मौका नहीं मिला और सुबह मलबे में मिला। चारों तरफ बर्बादी ने इन गांवों की खूबसूरती को उजाड़ दिया है।

मप्र हाई कोर्ट का चुनाव आयोग को नोटिस

जबलपुर।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की चुनाव याचिका पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। दिग्विजय ने राजगढ़ लोकसभा चुनाव के परिणाम को चुनौती देते हुए ईवीएम और वीवीपीएट पर सवाल उठाए हैं। अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

मप्र हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की चुनाव याचिका पर निर्वाचन आयोग और राजगढ़ के भाजपा सांसद रोडमल नागर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया है। इसके लिए आगामी सुनवाई तिथि 17 सितंबर को नियत की गई है। याचिका के जरिये ईवीएम-वीवीपेट पर सवाल खड़ा किया गया है।

दिग्विजय सिंह का तर्क

याचिकाकर्ता दिग्विजय सिंह की ओर से पैरवी करने वाले सीनियर एडवोकेट रवींद्र सिंह छाबड़ा ने बताया कि याचिका में हमने दोबारा चुनाव कराने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वीवीपीएट का मिलान किया जाना चाहिए, लेकिन निर्वाचन अधिकारी ने ऐसा नहीं किया। जनता जिसे वोट दे रही है, उसे ही मत जाना चाहिए।

निर्वाचन निरस्त करने की मांग

मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राजगढ़ सीट पर लोकसभा सदस्य का निर्वाचन निरस्त करने की मांग करते हुए मप्र हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में उन्होंने ईवीएम पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि निर्वाचन में वोटर वेरिफिएबल पेपर आडिट ट्रेल (वीवीपीएट) का सत्यापन नहीं किया गया था।

इस तरह जिला निर्वाचन अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के अनुसार काम नहीं किया है। मतदान के बाद वीवीपीएट को संरक्षित भी नहीं किया गया। बुधवार को हाई कोर्ट ने दिग्विजय सिंह की ओर से प्रस्तुत आरंभिक तर्क सुनने के बाद निर्वाचन आयोग और राजगढ़ के सांसद रोडमल नागर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी। राजगढ़ लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में भाजपा के प्रत्याशी रोडमल नागर से पराजित हो गए थे।

मोहन सरकार में वरिष्ठ मंत्रियों को दो और पहली बार के मंत्री को मिलेगा एक जिले का प्रभार

भोपाल।

मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार के मंत्रियों को अगले सप्ताह जिलों का प्रभार सौंपा जाएगा। वरिष्ठ मंत्रियों को दो जिले और नए मंत्रियों को एक-एक जिले का प्रभार मिलेगा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री होंगे।मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार के मंत्रियों को अगले सप्ताह तक जिलों का प्रभार मिल जाएगा। वरिष्ठ मंत्रियों को दो-दो जिले दिए जाएंगे। कुछ मंत्रियों को गृह जिलों का प्रभार भी दिया जा सकता है। मंत्रियों को ऐसे जिले दिए जाएंगे, जिनकी सीमाएं एक-दूसरे से लगी हों। प्रभार के जिलों पर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव अंतिम निर्णय भाजपा के प्रमुख पदाधिकारियों से चर्चा के बाद करेंगे।

32 मंत्री 55 जिले

प्रदेश में जिलों की संख्या 55 है और मुख्यमंत्री सहित 32 मंत्री हैं। ऐसे में कुछ मंत्रियों को एक से अधिक जिलों का प्रभार देना होगा। राजनीतिक और क्षेत्रीय समीकरणों को देखते हुए वरिष्ठ मंत्रियों को दो जिले और पहली बार के मंत्रियों को एक-एक जिले का प्रभार दिया जाएगा।

एक ही भवन में संचालित हो रही आंगनवाड़ी व उप स्वास्थ्य केंद्र

माही की गूंज, खवासा।
सुनील सोलंकी

प्रदेश सरकार द्वारा जहां शासकीय भवन नहीं है वहां नई-नई बिलिंडग बनाई जा रही है। ऐसे में आज भी जिले के ग्रामीण अंचलों में कई जगह एक ही दो विभाग के कार्य एक ही भवन में हो रहे है। ऐसा ही एक मामला थांदला जनपद अंतर्गत सामने आया जियमें एक ही भवन में आंगनबाड़ी व उप स्वास्थ्य केंद्र एक जगह पर संचालित हो रहे हैं लेकिन जिम्मेदार दोनो जिम्मेदार विभाग का ध्यान इस और नही है। कुछ ऐसा ही मामला थांदला जनपद की ग्राम पंचायत सागवा का है जहां काफी लंबे समय से एक ही भवन में आंगनबाड़ी व उप स्वास्थ्य केंद्र संचालित हो रहा है। बताते हैं उक्त भवन स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाया गया है। इसमें एक छोर पर अस्पताल संचालित होता है तो दूसरे कोने में आंगनबाड़ी संचालित होती है। बताते हैं 2 साल पहले इसी भवन में रंगाई-पुताई के साथ रिनोवेशन का काम स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया गया था। जिसमे सीएचओ के निवास का एक कमरा व साथ ही आसपास शौचालय आदि में रिनोवेशन का कार्य किया गया था। जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग के सीएचओ और एक एएनएम सागव में पदस्थ हैं। यह प्रतिदिन आना-जाना करते हैं मुख्यालय पर कोई

उक्त भवन में उप स्वास्थ्य केन्द्र व आंगनवाडी दोनो होती है संचालित।

निवासी नहीं करता है। जिस साइड कमरे में आंगनबाड़ी भवन संचालित हो रहा है उसमें अधिक पानी गिरने से छत भी टपक रही है। माही की गूंज ने वहां जाकर मौके की जानकारी ली तो वास्तविकता में धरातल पर काम करने वाले कर्मचारियों को परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। गूंज टीम जब मौके पर पहुंची तो आंगनवाड़ी कार्यालय पर दो बच्चे उपस्थित थे। वहां पदस्थ सहायिका व कार्यकर्ता ने बताया कि, काफी लंबे समय से इसी भवन में उपस्वास्थ्य केंद्र व आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अभी नहीं आए हैं वह थांदला से प्रतिदिन आना-जाना करते हैं। सबसे बड़ा विचारणीय प्रश्न यह है कि, एक ही भवन में उप स्वास्थ्य केंद्र व आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है तो वहां जगह कमी के कारण कितनी परेशानी होती होगी, यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। भवन के आस-पास काफी लंबे समय से घास उगी हुई है, जिससे मुख्य गेट पर आने-जाने में भी परेशानियों से गुजरना पड़ता है लेकिन किसी भी कर्मचारियों ने इस और कोई ध्यान ही नहीं दिया। आसपास घास उगने से आंगनबाड़ी केंद्र पर छोटे बच्चे भी पहुंचते हैं यहा जहरीले जीव जंतु के काटने का भी डर हमेशा बच्चो को सताता रहता है।

खवासा स्वास्थ्य विभाग के सेक्टर सुपरवाइजर अब्दुल सलाम से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि, काफी समय से सागवा में इसी तरह से उप स्वास्थ्य केंद्र व आंगनबाड़ी भवन संचालित हो रहा है। सागवा क्या तलवाड़ा आदि जगह इसी तरह से एक ही भवन पर उपस्वास्थ्य केंद्र व आंगनवाड़ी संचालित हो रही हैं। अब भवन नहीं है तो क्या करें, यह तो विभागीय मामला है।

थांदला महिला एवं बाल विकास के परियोजना अधिकारी बालूसिंह सस्तिया से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि, जो सागवा मे आंगनवाड़ी संचालित हो रही है वह मिनी आंगनवाड़ी केंद्र है अगर वहां इस तरह से संचालित हो रही है तो बहुत अच्छी बात है। क्योंकि जहां भवन नहीं है वहां किराए से लेकर आंगनबाड़ी संचालित करना पड़ता है। विभागीय तरफ से कुछ आंगनवाड़ियों के नए भवनों का निर्माण हुआ है लेकिन कुछ बाकी है। हो सकता है जल्द ही दूसरी लिस्ट में सागवा का नाम आ जाए जैसे ही भवन स्वीकृत होगा तो नया भवन बनवाया जाएगा।

बस स्टैंड पर नवनिर्मित सात दुकानों की आज हुई नीलामी

दुकान नंबर 5 की नीलामी के बावजूद स्थगित रखी गई

माही की गूंज,आम्बुआ।

ग्राम पंचायत आम्बुआ के न्यू बस स्टैंड पर वर्षों से निर्माणाधीन दुकानों के निर्माण के बाद 31 जुलाई को जनपद सीईओ एवं नायब तहसीलदार की उपस्थिति में दुकानों की नीलामी की गई। मगर 7 में से 5 नंबर की दुकान नीलाम होने के बावजूद उसे स्थगित रखा गया है। जिससे नीलामी में प्राप्त करने वाले में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। तथा वरिष्ठ अधिकारियों के पास जाने की चर्चा है।

मिली जानकारी के अनुसार आम्बुआ बस स्टैंड पर सामुदायिक भवन के पास वे सात दुकाने जिन्हें निर्माण के समय रोका गया था। वर्षों बाद नवनिर्वाचित सरपंच के निर्णय पर पुनः निर्माण किया गया। शासकीय नियमानुसार इन सात दुकानों को क्रमशः अजजा , अजा, पिछड़ा वर्ग तथा सामान्य वर्ग यानी कि अनारक्षित श्रेणी में रखकर उसी क्रम से नीलामी की गई। जिसमें दुकान क्रमांक एक श्रीमती करिश्मा उदयसिंह की अंतिम बोली रुपए आठ लाख तेईस हजार, दुकान क्रमांक दो राहुल कैलाश अंतिम बोली रुपए नौ लाख दो हजार, दुकान क्रमांक 3 की लखन दयाराम रुपए आठ लाख बावन हजार, तथा दुकान क्रमांक चार प्रदीप शंकर लाल रुपए नौ लाख अट्ठारह हजार, दुकान क्रमांक 6 विकास रामचंद्र माहेश्वरी रुपए ग्यारह लाख एक हजार, एवं दुकान क्रमांक सात श्रीमती नमीता प्रदीप रुपए आठ लाख सात हजार में खरीदी गई। जबकि दुकान क्रमांक 5 जिसे की गजेंद्र गोपाल राठौड़ ने रुपए 2,05700 हजार की अंतिम बोली में खरीदी थी। मगर जनपद सीईओ द्वारा यह कहा गया कि, अन्य दुकानों की बोली से इस दुकान की बोली बहुत ही कम है अतः इसे अभी स्थगित रखा जाता है। तथा अगला निर्णय लिया जा कर पुनः नीलामी प्रक्रिया की जाएगी। बोली लगाने वाले का कहना है कि, उसकी अंतिम बोली थी तथा कोई और बोली नहीं लगा रहा था तो दुकान उसे मिलना चाहिए। वैसे भी सरकारी बोली का भाव रुपए 2,50000 तथा इसके विरुद्ध रुपए 2,57000 की नीलामी होने के बाद दुकान उसे मिलना चाहिए। जिसके लिए संबंधित बोली लगाने वाला वरिष्ठ अधिकारियों के पास जाने की चर्चा कर रहा है। भविष्य में क्या और कैसे नीलामी होगी यह प्रशासन की इच्छा पर निर्भर करेगा। पंचायत प्रांगण में जिला जनपद सीईओ गोपाल शरण प्रजापत, नायब तहसीलदार श्रीमती मंजू डाबर, पंचायत समन्वयक इंद्रसिंह मौर्य, ग्राम सरपंच रमेश रावत, उप सरपंच थानसिंह भयडिया तथा पंचायत सचिव नवलसिंह कनेश, पटवारी धर्मेंद्र चौहान आदि उपस्थित रहे।

इनका कहना है

जब नियमानुसार बोली लगी थी तथा बोली लगाने वाले की अंतिम बोली थी तो उसे दुकान मिलना चाहिए।

गोविंदा महेश्वरी।

कीटनाशक दवाईयों के छिड़काव से 5 बीघा में बोई फसल हुई बर्बाद

माही की गूंज ,बनी।
ऋषभ गुप्ता

ग्राम पनास के किसान संतोष पिता गट्टू सोलंकी द्वारा सिद्धि विनायक एग्रो एजेंसी से फसल पर कीटनाशक दवाइयां लाकर अपनी 5 बीघा की फसल पर छिड़काव किया जिससे फसल जलकर पूरी तरह खत्म हो गई।

किसान संतोष सोलंकी ने अपने खेत पर ले जाकर बताया कि ,मेरे खेत पर किट का प्रकोप होने की वजह से सिध्दीविनायक एग्रो एजेंसी बनी की दुकान पर गया और मैंने दुकान के संचालक को फसल की बीमारियों के बारे में बताया, तब दुकान संचालक द्वारा मुझे चार प्रकार की दवाइयां बोरान, जेरोम, चिल्ली, लिब्रो, नामक दवाइयां दी और कहा कि, सभी को मिलाकर 10 टंकी का घोल बनाकर फसल पर छिड़काव कर देना। मगर मैंने 10 टंकी की जगह 11 टंकी का घोल तैयार कर फसल पर छिड़काव किया। दूसरे दिन जब मैं अपने खेत पर जाकर देखा हूं तो फसल पूरी तरह जली हुई नजर आती है। किसान संतोष सोलंकी का कहना है कि, दुकानदार द्वारा मुझे गलत दवाइयां दी गई जिससे मेरी फसल नष्ट हो गई है। मैंने 5 बीघा जमीन में टमाटर मिर्च और सब्जियों की फसल लगाई थी जो पूर्णतः बर्बाद हो चुकी है। मैंने उक्त फसल को लगाने मे एक लाख से भी ज्यादा का खर्च किया था। आज मेरी फसल नष्ट होने की वजह से मैं आर्थिक संकट से जूझ रहा हूं और अब मैं मेरे परिवार का पालन पोषण कैसे करूंगा? और फसल बोने के लिए लिया कर्ज कहां से चुकाऊंगा? किसान संतोष सोलंकी द्वारा फसल नष्ट होने की शिकायत एसडीएम पेटलावद, कृषि विस्तार अधिकारी और मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में शिकायत पत्र प्रस्तुत कर मुआवजे की गुहार लगाई है। कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया गया और छिड़काव की गई दवाइयां के सैंपल सिद्धिविनायक एग्रो एजेंसी से लेकर जांच के लिए कृषि विज्ञान लैब भेजे गए हैं।

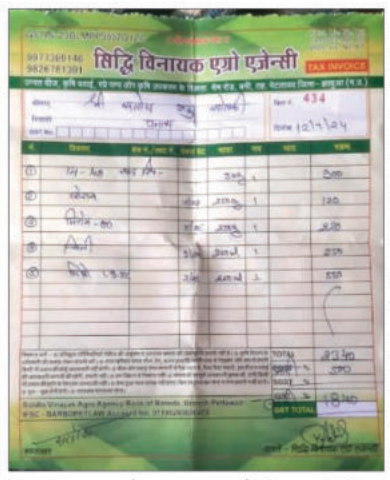

दुकान संचालक से जानकारी लेने पर दुकान संचालक द्वारा बताया गया कि, उक्त किसान मेरे से पिछले 10 वर्षों से कीटनाशक दवाइयां ले जाता है। वह मेरा काफी पुराना ग्राहक है मैं उसे गलत दवाइयां क्यों दूंगा? और मैंने आज तक किसी भी किसान को गलत दवाई छिड़काव करने के लिए नहीं दी हैं। मैंने किसान संतोष सोलंकी को चार प्रकार की कीटनाशक दवाइयां दी है वही दवाइयां मैंने गांव में कई किसानों को दी है जिनका रिजल्ट फसल के अनुकूल आया है। मगर जहां तक मेरी जानकारी और अनुभव के अनुसार संतोष ने कीटनाशक छिड़कने में कोई अन्य दवाई खरपतवार नाशक दवाई मिलाकर छिड़काव कर दिया जिससे सारी फसल जलकर नष्ट हुई है। मौके पर कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा पंचनामा बनाकर मुझे खेत में छिड़काव की गई दवाइयां का सेपल लेकर जांच के लिए कृषि विज्ञान लैब पहुंचाया गया है। यदि जांच में दवाइयां गलत निकलती है तो वह कंपनी के खिलाफ दावा प्रस्तुत कर सकता है और मैं विक्रेता हूं निर्माता नहीं यदि संतोष सोलंकी को मेरी मदद की जरूरत पड़ेगी तो मैं उसकी मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहूंगा।

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज , पेटलावद।

नो सूत्रीय मांगों को लेकर प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोशिएशन के बैनर तले प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम तहसीलदार हुकुमसिंह निगवाल को ज्ञापन सोपा। नगर के श्रद्धांजलि चौक से सैकड़ो की संख्या में पेंशनर्स ने रैली निकाल कर तहसील कार्यालय पहुंचे जहां पर तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन अध्यक्ष एनएल रावल के नेतृत्व में विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। अध्यक्ष रावल ने बताया कि, प्रदेश के 5 लाख पेंशनर की ज्वलंत लंबित मांगों का निराकरण नहीं होने से पेंशनर और उनके परिवार में असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन में केंद्र सरकार और अन्य राज्यों के पैंशनर्स को 50 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत दी जाने सहित अन्य लंबित मांगों को पूरा करने की अपील की गई।

"मीठे रस से भरियो राधे..." भजन सुनाते-सुनाते कथावाचक को आया हार्ट अटैक

माही की गूंज, उज्जैन।

आजकल नाचते-गाचे हुए हार्ट अटैक आने की घटनाएं आम हो गई हैं। सोशल मीडिया में हर रोज ऐसे कई वीडियो वायरल होते हैं। जिसमें डांस करते हुए, खड़े हुए, आराम से बैठ हुए, जिम करते हुए और ग्राउंड में खेलते हुए लोगों को हार्ट अटैक आने से मौत हो रही है।

ऐसा ही एक वीडियो मध्य प्रदेश से सामने आया है। जहां कथा सुनाते-सुनाते प्रसिद्ध कथावाचक गोपाल कृष्ण महाराज की हार्ट अटैक से मौत हो गई।

कथावाचक गोपाल कृष्ण महाराज गुरु पूर्णिमा पर राजगढ़ में कथा सुना रहे थे। व्यास पीठ से वो श्रद्धालुओं को मीठे रस से भरियो राधा रानी... भजन सुना रहे थे और श्रद्धालु भी भगवान की भक्ति में लीन होकर खूब मस्ती से थिरक रहे थे। भजन सुनाते-सुनाते गोपाल कृष्ण महाराज को भगवान का अंतिम बुलावा आ गया। भजन गाते-गाते महाराज जी ने अचानक बोलना बंद कर दिया। जब तक भजन पर नाच रहे श्रद्धालु कुछ समझ पाते वो बेसुद होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद श्रद्धालु उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अब इस घटना का एक वीडियो सामने आया है।

करीब 2 घंटे 35 मिनट चली कथा

कथा वाचक पंडित गोपाल कृष्ण महाराज गुरु पूर्णिमा पर पाडल्या आंजना गांव में कथा सुना रहे थे। कथा करीब 2 घंटे 35 मिनट चली और अंत में आरती होने से पहले वह भक्तों को भजन सुना रहे थे। श्रद्धालु भजनों पर नाच रहे थे। इस बीच गोपाल कृष्ण महाराज व्यास पीठ पर अचानक गिर पड़े। आयोजक समिति के सदस्य विजय सिंह लववंशी ने बताया कि महाराज को पहले पचोर के निजी अस्पताल और फिर सरकारी अस्पताल ले जाया गया था। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कथावाचक गोपाल कृष्ण महाराज उज्जैन के रहने वाले थे। उनका पार्थिव शरीर राजगढ़ के गुरु आश्रम लाया गया। यहां श्रद्धांजलि के बाद शव को उज्जैन के लिए रवाना किया गया। उज्जैन के आश्रम में उनका अंतिम संस्कार किया गया है।

लोकसभा 45 मिनिट का चक्रव्यूह और राजनीति

राकेश अचल

चक्रव्यूह महाभारत के समय का हो या कलियुग का खतरनाक होता है। कलियुग की बल्कि मोदी युग की सियासत कमलाकार चक्रव्यूह में फंसी है। सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 45 मिनिट तक मौजूदा सियासी चक्रव्यूह पर जब लगातार बोला तो सत्तापक्ष के हौसले कमजोर होते दिखाई दिए। लोकसभा अध्यक्ष तक राहुल गांधी के सामने असहाय नजर आये।

पिछले एक दशक में लोकसभा का सोमवार का दिन सबसे जायदा मार्मिक था। किसी को अंदाज नहीं था कि बजट भाषण पर बोलते हुए प्रतिपक्ष को इस हिकमत अमली के साथ बेनकाब करेंगे ,की सत्तापक्ष मन मसोस कर रह गया। सत्ता के बचाव में खड़े देश के रक्षा मंत्री और संसदीय कार्यमंत्री तक दांत पीसते नजर आये लेकिन राहुल को बोलने से नहीं रोक पाए।सत्ता पक्ष को भी ये उम्मीद नहीं थे कि विपक्ष के नेता उनके ही तीर से उन्हें ही भेदने में कामयाब हो जायेंगे। देश ने पहली बार देखा की लोकतंत्र की भूमि अभी वीरविहीन नहीं हुई है।

राहुल कि भाषण कि दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू को सबने बिलबिलाते देखा। किरण ने राहुल पर आरोप लगाया कि वे संसदीय कानूनों को नहीं जानते। किरण ये आरोप लागते हुए भूल जाते हैं कि राहुल उतने ही वरिष्ठ संसद हैं जितने की वे। राहुल गांधी को संसदीय कामकाज का ज्ञान नहीं होगा। राहुल गांधी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी वरिष्ठ हैं और प्रधानमंत्री से भी। उन्हें यदि संसदीय प्रक्रिया का ज्ञान न होता तो ओम बिरला राहुल की गिल्लियां उड़ा देते।

राहुल कि भाषण में सच कितना था और झूठ कितना ये संसदीय अभिलेख में दर्ज हो चुका है। सत्तापक्ष चाहे तो उनके झूठ को बिना मशीन कि इस्तेमाल के भी जांचा जा सकता है । राहुल बच्चे नहीं है। उन्होंने अपना भाषण मेहनत से तैयार किया होगा ,तभी तो वे सत्तापक्ष के चक्रव्यूह को भेद सके और लगातार हमलावर रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री से लेकर अडानी और अम्बानी को भी निशाने पर लिया। सत्तापक्ष और लोकसभा अध्यक्ष भी राहुल को न रोक पाए और न टोक पाए,क्योंकि राहुल पूरी तैयारी से लोकसभा में आये थे। उन्होंने कराधान से लेकर तमाम दूसरे मुद्दों पर जमकर बोला। उन्होंने चक्रव्यूह का जिक्र करते हुए कलियुग के उन पात्रों का भी उल्लेख कर दिया जो जनता के साथ लगातार गलत बयानी कर रहे हैं।

राहुल के भाषण में मोदी के भाषणों जैसे कटाक्ष नहीं थे। घबड़ाहट नहीं थी और न ही खिसियाहट। राहुल सामन्य होकर भाषण दे रहे थे। ये उनका आत्मबल है ,अन्यथा आज के युग में मोदी जी के मुकाबले कौन खड़ा हो सकता है ? राहुल ने देश में और भाजपा में व्याप्त भय को रेखांकित करना नहीं भूले । उन्होंने बार-बार इस बात का जिक्र किया कि भाजपा भय की राजनीति कर रही है। उन्होंने भाजपा और उसके समर्थकों को शिवजी की बारात तक कह दिया। उन्होंने अपने भाषण में कोई भी मुद्दा नहीं छोडा । राहुल ने अग्निवीर,नीट पर्चा लीक हीनहीं बल्कि किसानों और युवाओं के भी मुद्दे उठाये। उन्होंने जातीय जनगणना का मुद्दा भी छोड़ा नहीं है।

देश ने देखा की राहुल के भाषण के समय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण जी भी सदन में मौजूद थीं ,लेकिन वे भी राहुल के बहशें के दौरान अपने दोनों हथेलियों से अपना चेहरा छिपातीं नजर आयी। वे या तो राहुल के भाषण से ऊब रहीं थीं या फिर शर्मसार हो रहीं थीं वित्तमंत्री जी की अकुलाहट देखने लायक थी। राहुल ने किसानों का ही नहीं अपितु पत्रकारों को एक शीशे के पीछे कैद किये जाने का भी जिक्र किया। लोकसभा अध्यक्ष राहुल के आरोपों पर निरुत्तर दिखाई दिए। उन्हें न जानें कितनी बार राहुल को डांटा,डराया,धमकाया लेकिन जब राहुल पर किसी भी बात का कोई असर नहीं हुआ तो खामोश हो गए। राहुल ने जिस हिकमत अमली का मुजाहिरा किया वो अप्रत्याशित था। उन्हें जब लोकसभा अध्यक्ष ने हद में रहने और अडानी तथा अम्बानी पर बोलने से रोका तो राहुल ने एक को ऐ-वन और दूसरे को ऐ-टू के नाम से सम्बोधित करने की अनुमति मांगी।

गौरतलब है कि नयी लोकसभा में चुनकर आये विपक्ष के सदस्य गूंगे-बहरे नहीं है। राहुल से पहले तृण मूल कांग्रेस के अभिजीति बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष को छकाया था। अभिजीत के भाषण के दौरान सत्ता पक्ष के तमाम सदस्य कसमसाते रह गए। मुझे हैरानी है किलोकसभा अध्यक्ष ने इतना सब कुछ होने के बाद भी अभी तक सदन के किसी सदस्य को निलंबित नहीं किया है। पिछली बार निलंबित सदस्यों की संख्या 150 के आसपास पहुंच गयी थी। लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओम बिरला जी को असहाय देखकर मुझे उनसे विशेष सहानुभूति हुई ह। वे भले ही भाजपा से हैं इससे क्या फर्क पड़ता है ?

भाजपा के चक्रव्यूह में देश भी है और राहुल गांधी भी। अब देखना ये है की देश और राहुल भाजपा के इस चक्रव्यूह को भेद पाते हैं या उनकी दशा भी अभिमन्यु की तरह होगी? आज की पीढ़ी महाभारत के चक्रव्यूह के बारे में यदि नहीं जानती हो तो उसे गूगल खंगाल लेना चाहिए। समझ में आ जाएगा की अभिमन्यु वध में किसने ,क्या किया था। आज की भारतीय राजनीति में राहुल चक्रव्यूह में घिरे भी हैं लेकिन उन्होंने चक्रव्यूह से निकलकर भी दिखा दिया है। राहुल मोदी युग में मोदी के रहते हुए भी अब एक ब्रांड बन गए हैं। यही उनकी उपलब्धि है। याद रखिये की मै न मोदी के पाले में हूँ और न राहुल के पाले में। मै जनता के पाले में हूँ।

समाज में सम्मान को तरसते किन्नरों की दुआओं में होता सबसे ज्यादा असर

किन्नर कमला बुआ त्यौहार के समय क्षेत्र में घूमकर दे रही आशीर्वाद, किया किन्नरों के दर्द को साझा

माही की गूंज, बरवेट।

आमतौर पर त्योहारों एव घरों में मंगल अवसर आने वाले या आने के बाद किन्नरों को बधाई मांगने पर ज्यादा परेशान करने का आरोप लगते हैं, लेकिन अब बधाई लेने वाले बिना मांगे ही दिल खोलकर झोली भर देते हैं। ऐसे ही नगर में रहने वाले परिवारो ने घर पर बधाई देने आए किन्नरों को सःसम्मान के साथ घर मे बिठाया जाता है और नेक देकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है।

मांगलिक आयोजन और शिशु के जन्म पर विशेष मांग

पेटलावद क्षेत्र की कमला बुआ ने बताया कि, हम लोग साल के तीन बड़े त्योहार जैसे होली, दीवाली ओर रक्षा बंधन या किसी के घर मे मांगलिक कार्यक्रम व त्योहारों के साथ नवजात बच्चे के जन्म पर परिवार के सदस्यों में खुशियों का माहौल रहता है। नवजात शिशु के जन्म होने की सूचना मिलने पर किन्नर कमला अपने साथियों के साथ मंगल गीत गाते हुए पहुंच जाती है। अपने गीत और नृत्य के बाद चलने लगे नवजात परिवारों के द्वारा नेक में रुपए देते है। जिससे कमला बुआ को बिन मांगे नेक मिलने से अधिक खुश होती है।

किन्नर द्वारा दिए गए नेक में रहती है बरकत

मान्यता है कि किन्नर के द्वारा दिए गए पैसे को अपने पास रखने से बरकत होती है। इसका जिक्र अलग-अलग लेख में किया गया है, लेकिन आपको यहां हम वह बात बताने जा रहे है जिसमें आपको किन्नर के पास से पैसा न भी मिले तो भी आपके यहां बरकत आ सकती है। जब वो आपके यहा आए तो इनका स्वागत ऐसे मृदुभाषी शब्दो से बोले जिनसे उनके दिल को छू जाए। फिर देखिए कैसे आपको उनकी दुआ लगती है और आप दिन दूने, रात चौगुने सफलता को प्राप्त करते है।

किन्नर कमला बुआ घर-घर जाकर त्योहार की नेक लेती हुई।

नकली किन्नर बनकर व्यवसाय करने लगे

किन्नर कमला बुआ के बताया कि, बदलते वक्त के साथ समाज में किन्नरों को भी अलग-अलग नजरों से देखा जाने लगा है। भगवान द्वारा जो किन्नर को लेकर वर्णन किया गया है, वह तो दूर अब इसका विपरीत असर भी दिखने लगा है। कुछ लोग नकली किन्नर बनकर व्यवसाय भी करने लगे है जिससे लोगों की आस्था पर भी गहरा प्रभाव पड़ा है।

तो क्या इससे ही मिलती है दुआ?

इस सवाल पर कमला बुआ का कहना था कि, हम त्योहारों पर हाथ फैलाते है लोग उसमें रुपए डालते है। उनके लिए मुख से सदा खुश रहने के शब्द तो निकलते है, लेकिन इसे दिल की दुआ नहीं कहा जा सकता। किन्नर से दुआ लेने की आवश्यकता नहीं होती है। न ही उससे कुछ वस्तु, रुपए आदि मांगने की आवश्यकता होती है। किन्नर को अगर आपका व्यवहार छू लेता है तो वह आपके लिए संसार की खुशी दुआ में मांग लेता है। फिर चाहे आपने किन्नर के लिए कुछ किया हो या नहीं। एक आपकी बातें और व्यवहार ही यह काम कर सकते है।

किन्नर की दुआ मिले, क्या करना चाहिए ?

आप किसी को दुआ क्यों देते है? क्योंकि, आपको लोग पैसा देते है या फिर आपके प्रति संवेदना या अपनत्व व्यक्त करते है। लगाव ही दुआ है ,वैसे तो खुशी के माहौल में नाचने-गाने के लिए अक्सर किन्नरों को मेहमान बनाकर हमे घरों में बुलाते है, लेकिन मौजूदा समय में उतना लगाव हमें देखने नहीं मिलता है। किन्नरों को अवसर खत्म होने पर विदा तो किया जाता है, लेकिन अनेक बार किन्नर नाखुश होकर ही लौटते है। ऐसे में वह आपके बच्चे, वर-वधु व अन्य को सदा खुश रहने और बरकत की दुआ तो कर जाते है, लेकिन खुद नाखुश होकर लौटते है। जिससे दुआएं काम नहीं करती है। कमला बुआ के अनुसार जब भी आपके घर हम आ जाये उनकी मेहमान नवाजी कर उनसे आशीर्वाद लेना चाहिए।

कौन सी है वह जादुई लाइन ?

किन्नर कमला बुआ के अनुसार जब हम रुपए मांगे तो जितना भी हो दीजिए। लेकिन उस वक्त सिर्फ एक जादुई लाइन जरूर बोले। जो यह है कि ÷आपका आगमन हमारे घर की खुशियों का संकेत है, ईश्वर आपको फिर से जल्दी हमारे घर भेजें÷ इतना सा बोलने मात्र से ही वो बहुत खुश हो जाएगी और सच्चे मन से आपको दुआ देकर जाएगी। सभी जानते है कि किन्नर घरों में हमारी खुशियों को सांझा करने को आते है, ऐसे में कोशिश करना चाहिए कि, वो हमारे घर से नाराज होकर नहीं बल्कि खुश होकर जाए। जिससे उनके आशीर्वाद आपको मिल जाए और आपकी घर की खुशियां दिन दोगुनी और रात चौगुनी बढ़ती जाएं।

जलवायु परिवर्तन व किशोर स्वास्थ्य क्लैप प्रोजेक्ट आधारित कार्यक्रम आयोजित

माही की गूंज ,बामनिया।

शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय बामनिया में भारत स्काउट एवं गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में राज्य मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर जिला कलेक्टर सुश्री नेहा मीना के नेतृत्व में जिला सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती निशा मेहरा एवं राकेश यादव खंड शिक्षा अधिकारी पेटलावद के मार्गदर्शन में जलवायु परिवर्तन एवं किशोरी स्वास्थ्य (क्लैप) कार्यक्रम के अन्तर्गत हाथ धुलाई प्रशिक्षण के साथ पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्राचार्य पीएल चौहान एवं भारत स्काउट गाईड जिला एसोसिएशन झाबुआ के जिला प्रशिक्षण आयुक्त ओमप्रकाश त्रिपाठी, यूनिट लीडर श्रीमती सीमा वर्मा, छात्रावास अधीक्षक श्रीमती ममता गार्वे, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बामनिया के डॉ मनीष सोलंकी के सहयोगात्मक कर्मचारी महेश पाटीदार एवं सुश्री शुभांगी शर्मा की उपस्थिति में जलवायु परिवर्तन तथा किशोर स्वास्थ्य आधारित कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ प्रार्थना के साथ किया गया। गाईड कैप्टन जिला कोऑर्डिनेटर क्लैप हॉस्टल अधीक्षका द्वारा अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया। प्राचार्य ने पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, पर्यावरण संरक्षण से वायु, जल और भूमि प्रदूषण कम होता है। पर्यावरण संरक्षण सभी के सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण है। हमारे ग्रह को ग्लोबल वार्मिंग जैसे हानिकारक प्रभावों को बचाने के लिए भी पर्यावरण संरक्षण महत्वपूर्ण है। विद्यालय में कार्यरत काका द्वारा पोध रोपण हेतु गड्ढे खोदकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कुमारी शुभांगी शर्मा स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए अपने उद्बोधन में हाथ साफ रखने की चर्चा करते हुए हाथ धुलाई के सात चरणों को बताया। गाईड व छात्राओं को कहा कि, आप को भी जो 7 स्टेप बताई गई है उसी तरिकों से हाथ धोएं व अपने परिवार के सदस्यों तथा अपने मित्रों को बतावें। पाटीदार स्वास्थ्य कर्मचारी द्वारा डायरिया और एनीमिया विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए ओआरएस घोल को किस तरह से बनाना व उसके उपयोग पर चर्चा की।

इस अवसर पर प्राचार्य पीरुलाल चौहान, ममता गारवे छात्रावास अधीक्षक, यूनिट लीडर श्रीमती सीमा वर्मा, जिला क्लैप प्रोजेक्टर ओपी त्रिपाठी एवं सभी गाइडस द्वारा पौधारोपण किया गया।

सभी छात्रों द्वारा एक स्वास्थ्य रैली का आयोजन किया गया। संचालन ओमप्रकाश त्रिपाठी जिला कॉर्डिनेटर क्लैप ने किया। आभार गाइड कैप्टन श्रीमती सीमा वर्मा ने माना।

अमले के साथ औचक निरीक्षण पर पहुंचे जिला पंचायत सीईओ

प्रशासनिक अमले के पहुंचने के पुर्व ही झोलाछाप डॉक्टर हुए रफुचक्कर

माही की गूंज, खावसा। सुनील सोलंकी

बुधवार सुबह 11 से 12 के मध्य अचानक जिला पंचायत सीओ जितेंद्र चौहान, थांदला जनपद सीईओ के साथ प्रशासनिक अमला थांदला जनपद क्षेत्र की पंचायतो का निरीक्षण करन पहुचे। अमला सेमलिया (थांदला) का निरीक्षण कर खवासा पंचायत में पहुंचे। यहा प्रशासनिक स्तर पर जो निर्माण कार्य चल रहा है उसका निरीक्षण करने के साथ शबरी माता महिला बचत समूह बाजना मार्ग खवासा कार्यालय पर भी यह अमला पहुचा। यहा महिलाओं से समूह से संबंधित जानकारी के साथ क्या-क्या प्रोडक्ट बनाए जा रहे हैं आदि जानकारी जिला पंचायत सीओ ने ली। बताते हैं जिला कलेक्टर नेहा मीना ने सभी प्रशासनिक अमले को सप्ताह में एक दिन हर जगह ओचक निरीक्षण का दायित्व सोपा गया है। इसी के परीपालन में खवासा व आसपास पंचायत में प्रशासनिक अमला निरीक्षण करने पहुंचा। अमले में उपस्थित जिला पंचायत के साथ जनपद पंचायत सीओ देवेंद्र बारोड़ोदिया, आरइएस विभाग के सब इंजीनियर आनंद तिवारी, सावन कुमार घोसले के साथ संबंधित पंचायत के पीसीओ एवं सचिव उपस्थित थे।

नायब व बीएमओ के दल के आने की जानकारी मिलने के बाद इस तरह से सटल बंद करके चले गए सभी फर्जी चिकित्सक।

झोलाछाप डाक्टर हुए रफुचक्कर

थोड़ी देर बाद नायब तहसीलदार व थांदला बीएमओ का दल खवासा व आसपास क्षेत्र में पहुंचा। यह दल क्यो आया था यह किसी को पता नही चला लेकिन बाद में सामने आया की उक्त दल झोलाछाप डॉक्टरो के क्लीनिक पर कार्रवाई करने हेतु आया था लेकिन उक्त दल के आने की जानकारी पहले से ही खवासा सहीत क्षेत्र के फर्जी झोलाछाप डाक्टरो को मिल चुकी जिसके तहत सभी फर्जी डाक्टर अपना-अपना क्लीनिक बंदकर रफुचक्कर हो गए थे।

खावसा मे जैसे ही जिला पंचायत सीओं के साथ प्रशासनिक अमला पहुंचा उसके थोडी देर बाद खवासा मे बीएमओ व नायाब तहसीलदार का दल पहुंचा। उक्त दल खवासा मे घूमा लेकिन वहां कोई भी अवैध चिकित्सक नहीं दिखे। जिसके बाद दल भामल मे जैसे ही पहुचा वहा पर भी दुकाने बंद थी। परवाडा तक टीम पहुंची लेकिन किसी के यहां भी काई कार्रवाई नहीं हुई। सिर्फ वाहनो से चक्कर लगाकर बंद फर्जी क्लीनिको का भ्रमण कर दल थांदला की और रवाना हो गया। नायब व बीएमओं के दल की सुचना के बाद पहुच कर उक्त खानापुर्ती वाली कार्यप्रणाली पर क्षेत्र में कई तरह की बाते होने लगी।

शबरी माता महिला बचत समूह का निरीक्षण करते हुए जिला पंचायत सीओ जितेंद्र चौहान।

श्रावण माह में शिवालयों पर भक्तों की भीड़

माही की गूंज, सारंगी।

सावन महीने में रिमझिम बरसात के साथ सारंगी के सभी शिवालयों में महिला, पुरुष, बच्चों की भीड़ लग रही है। ओमकारेश्वर प्राचीन मंदिर पर सुबह से ही भक्त दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए पहुंच जाते हैं। वहीं खेड़ापति हनुमान जी शिवालय,पुलिस चौकी परिसर शिवालय, गंगा जलीया शिवालय, नयापुरा शिवालय, पर भक्त पहुंच कर दर्शन लाभ ले रहे हैं।

मान्यता है कि ओमकारेश्वर मंदिर पर विराजित उत्तर मुखी शिवलिंग के दर्शन लाभ से ही भक्तों की सभी मनोकामना पूर्ण हो जाती है। पुरे सावन में यहां पर शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। यहा महिलाओ द्वारा प्रतिदिन शाम को भजन कीर्तन किए जा रहे हैं।

थोक कपड़ा व्यापारी के साथ हुई लूट का मुख्य आरोपी निकला स्वयं का कर्मचारी

माही की गूंज, झाबुआ।

शनिवार 27 जुलाई को पारा से झाबुआ की ओर अपने निजी कर्मचारी के साथ झाबुआ का एक व्यापारी बाईक से आ रहा था कि, पारा से करीब दो-तीन किलो मीटर पर स्थित घाटी पर लुटेरों ने लूट को अंजाम दिया था। जिसमें अपने मालिक को बाईक पर लेकर आ रहा कर्मचारी ही लूट का मुख्य आरोपी निकला।

मामला कुछ यूं सामने आया कि, झाबुआ की सिद्धेश्वर कॉलोनी निवासी महेंद्र पिता वर्धमान जैन कपड़ा एवं डिस्पोजल का थोक व्यापारी है। उक्त थोक व्यापारी, झाबुआ सहित क्षेत्र में कपड़ा एवं डिस्पोजल व्यापारी को उधार में अपनी सामग्री देते हैं। तथा थोक व्यापारी महेंद्र जैन सप्ताह एंव पखवाड़े में एक बार क्षेत्र के संबंधित व्यापारियों से अपनी उधारी की वसूली करने व कपड़ा एवं डिस्कोजल का आर्डर लेने जाते हैं। 27 जुलाई को भी अपने निजी कर्मचारी डेविड पिता रतनसिंग निवासी डुमपाड़ा के साथ बाईक से क्षेत्र के कालीदेवी एवं पारा आदि गांव के संबंधित व्यापारियों से अपनी उधारी की वसूली एवं नए ऑर्डर लेकर आ रहे थे। पारा से 2 से 3 किलोमीटर स्थित वाकडघाटी जिस स्थान के बारे में कहा जाता है कि, यह लूट व हत्या को अंजाम देने वाला पारा-झाबुआ के मध्य का मुख्य स्थान रहा है। उक्त घाटी पर ग्वालियर से आकर पारा में डॉक्टरी पैसा का कार्य करने वाले एक डॉक्टर की हत्या किसी षड्यंत्र के साथ कर दी गई थी। उस षड्यंत्र का खुलासा आज तक नहीं हुआ लेकिन डॉक्टर की हत्या के बाद उक्त घाटी, डॉक्टर घाटी के नाम से पहचाने जाने लगी। उसके बाद एक अयूब पठान के साथ भी लूट व उसके साथ हुई मारपीट से उसकी मौत हो गई थी। इसी तरह कई घटनाएं उक्त घाटी पर लूट व हत्या की हो चुकी है।

वहीं एसपी मीणा के समय उक्त घाटी पर एक जांच चौकी भी बनाई गई लेकिन वह चौकी भवन अब सिर्फ एक कबाड़ बनकर रह गया। वर्तमान में यहां कोई पुलिसकर्मी पदस्थ नहीं है न ही इस मार्ग पर पुलिस कि गस्त की जाती है यह ग्रामीणों का कहना है।

वहीं वर्तमान परिदृश्य में पारा से झाबुआ 18 किलोमीटर के मार्ग पर एकांत एरिया नहीं रहा, सभी दूर उक्त मार्ग पर सड़क किनारे रहवासियों ने अपना निवास बना लिया है। उक्त डाक्टर घाटी व आस-पास भी रहवासी निवासरत है। उसके बावजूद भी शनिवार को दिन में हुई लूट पुलिस के लिए बड़ी चुनौती थी जिसके चलते एसपी पदमविलोचन शुक्ल ने पुलिस टीम बनाकर मामले का खुलासा करने के निर्देश दिए।

पुलिस टीम को व्यापारी के उसी कर्मचारी जो घटना के समय साथ में था पर संदेह होने पर पूछताछ करने पर सामने आया कि, व्यापारी के कर्मचारी ने सुनियोजित व योजना बद्ध तरीके से अपने पांच अन्य साथियों के साथ लूट को अंजाम दिया। पुलिस ने व्यापारी के कर्मचारी डेविड के साथ उसके अन्य पांच लुटेरे विकास पिता सुरसिंह भूरिया, विनोद पिता रमेश, जिगर पिता दयाराम निवासी कमडावद, राकेश पिता तितिया निवासी नागनखेड़ी, शैलेश पिता कमलेश डामोर निवासी गोला छोटी, को गिरफ्तार कर लूट में उपयोग की गई दो बाइक के साथ लूट की राशि 1 लाख 8 हजार 7 सौ 80 रुपए जप्त किए गए।

संपादकीय

मनु की विजयी धुन

अब तक जो हरियाणा पदक जीतने वाले पहलवानों के लिये जाना जाता था, अब उसे निशानेबाजी की नई पहचान मिली है। रविवार को मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग के महिला वर्ग में कांस्य पदक जीत भारत के लिये पदकों की शुरुआत की। मंगलवार को मंगल हुआ और झज्जर की मनु और अंबाला के सरबजोत सिंह ने तीन दिन के भीतर दूसरा कांस्य पदक जीतकर पेरिस में दमखम दिखाने गए खिलाड़ियों के दल और देश का उत्साह बढ़ाया। मनु उस हरियाणा की हैं जो कभी लैंगिक भेदभाव के लिये जाना जाता था। हालांकि, अब हालात बदले हैं। मनु की दोहरी सफलता का संदेश साफ है कि 'बेटी पढ़ाओ, खूब खेलाओ।' मनु ने दो कांस्य पदक ही नहीं जीते, कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। वह ओलंपिक में शूटिंग में पदक जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी ही नहीं बनी, बल्कि भारत की ओर से एक ही ओलंपिक में दो पदक हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी भी बनी। मनु की यह उपलब्धि इस मायने में भी खास है कि टोक्यो ओलंपिक में उसकी पिस्टल में खराबी आने के कारण वह जीत के दरवाजे के बाहर से ही लौट आयी थी। वह लंबे समय तक तकनीकी कारणों से मिली असफलता के तनाव से जूझती रही। लेकिन उस असफलता के अवसाद को दरकिनार कर दोहरी सफलता पाना निश्चित रूप से तमाम युवाओं के लिये प्रेरणा की मिसाल है। दस मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड टीम इवेंट में मनु और सरबजोत सिंह की कामयाबी भी कई मायनों में खास है क्योंकि उन्होंने कोरिया के दिग्गज खिलाड़ियों को हराकर यह सफलता हासिल की। कोरियाई टीम में एक वह शूटर भी शामिल थी जिसने रविवार के दस मीटर एयर पिस्टल वर्ग में नये ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता था। यह जीत इन खिलाड़ियों के मजबूत मानसिक स्तर की ही परिचायक है क्योंकि शूटिंग के खेल में गहरी मानसिक एकाग्रता व ऊंचे आत्मविश्वास की जरूरत होती है।

वैसे मनु भाकर ने पिछली असफलता को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने का जो जुनून दिखाया वह हर खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के लिये भी प्रेरणादायक है। दरअसल, वर्ष 2021 के टोक्यो ओलंपिक के दु:स्वप्न से मिली असफलता के चलते एक समय ऐसा भी आया कि मनु का मन शूटिंग से खिन्न होने लगा। वहीं मनु का कैरियर संवारने के लिये अपना मरीन इंजीनियर का कैरियर छोड़ने वाले पिता रामकिशन भाकर ने बेटी के सपनों को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्हें विश्वास था कि वर्ष 2018 में महिला विश्व कप में एक ही दिन में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली मनु में खेल की अपार संभावनाएं छिपी हैं। तब उसने दो बार की विश्व विजेता मैक्सिको की खिलाड़ी को हराया था। इसी प्रदर्शन के बूते मनु ने टोक्यो ओलंपिक में जगह बनायी थी। टोक्यो ओलंपिक में नाकामी के बाद कोच जसपाल राणा से हुआ विवाद अब अतीत का किस्सा है। भगवद् गीता के सर्वकालिक संदेश कर्म किए जाने के मंत्र का अनुसरण करने वाली मनु ने कालांतर सोच बदली। एक साल में चार कोच आजमाने के बाद फिर पुराने कोच जसपाल राणा को याद किया। जसपाल भी जानते थे कि मनु में इतिहास की नई इबारत लिखने की संभावना निहित है। जसपाल भी अपनी अकादमी के सौ छात्रों को भुलाकर पेरिस में मनु को कामयाब बनाने में जुटे। निस्संदेह, देश में खिलाड़ियों की कमी नहीं है। जरूरत है उन्हें वह वातावरण देने की, जिसमें उनकी प्रतिभा में निखार आ सके। केंद्रीय खेल मंत्री के अनुसार, खेलो इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्र सरकार ने मनु भाकर की ट्रेनिंग में दो करोड़ रुपये खर्च किए। आर्थिक सहायता से मनपसंद का कोच रखना संभव हुआ। प्रशिक्षण के लिये जर्मनी व स्विटज़रलैंड भेजा गया। देश को मनु से एक और पदक की दरकार है। अभी पेरिस में मनु की प्रिय स्पर्धा पच्चीस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा बाकी है। उम्मीद करें की एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों की उम्मीदों पर मनु फिर खरी उतरेगी। विश्वास करें कि देश की तमाम महिला खिलाड़ियों को मनु की इस सफलता से संबल मिलेगा। देश में महिला खेलों की स्थितियों में सुधार लाना सरकार की भी प्राथमिकता होनी चाहिए।

माननीयों की फिसलती जुबान और जवाबदेही

जब दिल्ली में किसानों का आंदोलन चल रहा था तो प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ लोगों के लिए एक शब्द काम में लिया थादृ आंदोलनजीवी ! उनका यह शब्द विपक्ष के लिए था, और विपक्ष के कई सदस्यों ने प्रधानमंत्री के इस प्रयोग पर आपत्ति भी प्रकट की थी। पता नहीं इस शब्द को असंसदीय कहा गया था या नहीं, पर यदि अब यह शब्द बोला गया तो निश्चित है इसे संसद की कार्रवाई के विवरण से हटा दिया जायेगा। यह बात इसलिए कही जा सकती है कि संसद में जुमलाजीवी शब्द को आपत्तिजनक माना गया है। इसी तरह कुछ और शब्द हैं जिन्हें हमारी संसद में असंसदीय माना गया है। अराजकतावादी, शकुनी, तानाशाह, जयचंद, विनाश पुरुष, खून से खेती जैसे और भी कई शब्द हैं जिन्हें संसद की कार्रवाई से हटा दिया गया है।

कुछ शब्दों को बोलने पर रोक लगाने की यह परिपाटी क्यों शुरू की गई थी, पता नहीं, पर चौबीसों घंटे के समाचार चैनलों वाले इस युग में किसी शब्द को 'कार्रवाई से निकाल दिये जाने' का कोई खास मतलब रह नहीं जाता। अब संसद के दोनों सदनों की कार्रवाई 'लाइव' दिखाई जाती है। जब जो शब्द वहां बोला जाता है, सारी दुनिया तत्काल देख-सुन सकती है। ऐसे में किसी शब्द को रिकॉर्ड में न रखे जाने से क्या फर्क पड़ता है? फर्क तो तब पड़ेगा जब बोलने वाले को यह अहसास हो कि वह कुछ अनुचित तो नहीं बोल रहा। जैसे मीडिया के लिए यह कहा जाता है कि वह अपनी मर्यादा स्वयं निर्धारित करे, वैसे ही सांसदों और विधायकों से भी यह उम्मीद की जाती है कि वे बोलने से पहले अपने शब्दों को तोल लिया करें। वैसे, अपेक्षा तो हर व्यक्ति से यह की जाती है कि वह तोल कर बोले, पर जनतांत्रिक व्यवस्था में इस बारे में भी हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों का आचरण बाकियों के लिए आदर्श होना चाहिए। पर, सदन में जिस तरह का अप्रिय व्यवहार अक्सर दिख जाता है, उससे यह शंका होनी स्वाभाविक है कि हमारे नेता अपने बोले गये के प्रति कोई सावधानी बरतने के लिए सजग भी हैं अथवा नहीं?

शोर-शराबा, नारेबाजी, टोका-टाकी आदि तो स्वाभाविक है, पर इसकी भी कोई सीमा तो होनी चाहिए। सीमा के अतिक्रमण को हम कई बार देख-सुन चुके हैं। हमने अपने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को एक-दूसरे पर शब्द से ही नहीं हाथों से भी हमले करते देखा है।

यह कहना तो गलत होगा कि हमारे प्रतिनिधि हमेशा आपत्तिजनक व्यवहार करते हैं, लेकिन सही यह भी है कि कई बार सदनों में संवादहीनता की स्थिति सीमाएं लांघ जाती है। इन सीमाओं का सम्मान होना चाहिए। संसद सड़क नहीं है। यूं तो सड़क पर भी व्यक्ति के व्यवहार की सीमाएं होती हैं, पर सदन के भीतर जो कुछ होता है वह आम नागरिक के लिए आदर्श व्यवहार का एक उदाहरण होना चाहिए। संसद के सदनों में, या विधानसभाओं में, जो कहा जाता है, जो किया जाता है, वह उच्चतम स्तर का होना चाहिए। सदन में होने वाली बहस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, शालीन होनी चाहिए। आज सवाल 'चाहिए' और 'है' के बीच के अंतर को समझने का है।

सदन के भीतर हमारे प्रतिनिधि जो कहते हैं जिस तरह की शब्दावली काम में लेते हैं, उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती। यह पीठासीन अधिकारी के विवेक पर निर्भर करता है कि वह किस शब्द को असंसदीय माने और उसे सदन की कार्रवाई से हटाने का निर्णय ले। असंसदीय मानी जाने वाली शब्दावली भी पीठासीन

अधिकारी के विवेक का ही परिणाम होती है। इस संदर्भ में अक्सर विवाद होता है। अक्सर सांसद या विधायक अपने कहे को अनुचित मानने को लेकर आपत्ति करते हैं। जुमलाजीवी या बालबुद्धि या विनाश पुरुष जैसे शब्दों पर प्रतिबंध को लेकर भी विवाद सामने आये हैं। अक्सर विपक्ष के सदस्यों की शिकायत यह रहती है कि शब्दों को असंसदीय घोषित करके बोलने के उनके अधिकार का हनन किया जाता है, एक तरह से उनका गला घोंटा जाता है।

संसद के चालू सत्र के दौरान भी ऐसी बात कही गई है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि 'सरकार की वास्तविकता को उजागर करने वाले शब्दों को संसद की कार्रवाई से हटा दिया गया है।' लेकिन लोकसभा के स्पीकर का मानना है कि शब्दों पर प्रतिबंध लगाना और शब्दों को कार्रवाई से हटाने में अंतर होता हैकृ 'कोई भी सरकार संसद में बोले जाने वाले शब्दों पर प्रतिबंध नहीं लगा सकती।'

तकनीकी दृष्टि से देखा जाये तो स्पीकर का कहना सही लगता है। लेकिन सदस्य द्वारा बोले गये किसी शब्द को सदन की कार्रवाई से हटाए जाने का मतलब प्रतिबंध से कम भी नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का एक-दूसरे के व्यवहार को अनुचित ठहराना स्वाभाविक माना जा सकता है, पर जब विपक्ष को यह लगता है कि वह सारे शब्द कार्रवाई के विवरण से हटा दिये गये हैं जो सरकार की वास्तविकता को सामने लाते हैं तो 'असंसदीय शब्दों' को हटाने की परिपाटी पर सवाल तो उठता है।

लेकिन सवाल माननीय सदस्यों के व्यवहार का भी है। निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा करना कतई ग़लत नहीं है कि वह मर्यादित आचरण का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे और सही यह भी है कि सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष, दोनों, मर्यादा लांघते दिख जाते हैं। बोलने में चूक हो सकती है, पर ज़रूरी है ऐसी चूक को तत्काल सुधारने का प्रयास हो। संसद के इस बजट सत्र की शुरुआत में सदन के बाहर अपने परंपरागत भाषण में प्रधानमंत्री ने जब यह कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर जब वे बोल रहे थे तो 'ढाई घंटे तक उनका गला घोंटने की कोशिश विपक्ष करता रहा' तो यह गला घोंटने वाली उनकी बात कइयों को अटपटी लगी थी। पर प्रधानमंत्री तत्काल संभल गये और उन्होंने अगले ही वाक्य में स्वयं को सुधारते हुए कहा, मेरे 'बोलने में रुकावट डाली गयी।'

विश्वनाथ सचदेव

यह बात सदन के भीतर कही गयी होती तो शायद गला घोंटने वाली बात पर शोर-शराबा होता। इसीलिए कहा जाता है कि बोलने से पहले तोला जाये। कहते हैं कमान से निकला हुआ तीर और जुबान से निकला हुआ शब्द वापस नहीं होता। किसी शब्द को असंसदीय या संसदीय घोषित करने से बात बनती नहीं है। कोई शब्द यदि निश्चित रूप से अनुचित है तो उसे बोलने वाले को यह अहसास होना चाहिए कि उससे ग़लती हुई है। ऐसा अहसास ही मर्यादाओं को परिभाषित भी करता है और उनके पालन को अर्थवान भी बनाता है। यहीं इस बात को भी समझा जाना ज़रूरी है कि कुछ शब्दों को असंसदीय घोषित करना ही अनुचित का अहसास नहीं दिलाता। शायद संसद के हर सत्र से पहले लोकसभा सचिवालय पिछले सत्र के कथित असंसदीय संसदीय शब्दों की सूची जारी करता है। कुछ तरीका ऐसा होना चाहिए कि ऐसी सूची जारी करने की आवश्यकता ही न पड़ेकृहमारे सांसद विधायक जो कुछ कहें-करें वह उचित आचरण का उदाहरण बनें। क्या यह आशा करना कुछ ज्यादा चाहना है?

भारत अमेरिकी संबंधों की बदलती हकीकत

जी.पार्थसारथी

वाशिंगटन में नाटो संगठन के मुल्क रूस-यूक्रेन युद्ध पर विचार करने के लिए बैठक करने में लगे थे, लेकिन उस दौरान राष्ट्रपति पुतिन के आमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी की हालिया रूस यात्रा पर पश्चिमी जगत की भौंहें तन गईं। पिछली रूस यात्राओं की तरह मोदी की यह फेरी भी अनेकानेक मुद्दों पर सफल रहीदृ इनमें सबसे महत्वपूर्ण रहा ऊर्जा और रक्षा सहयोग क्षेत्र में हुआ समझौता। यह ऐसे वक्त पर भी आया जब अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन ने भारत के मानवाधिकारों को लेकर अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की। इस अजीब रिपोर्ट में भारत को वह देश बताया गया जहां मानवाधिकार हनन होना रोजाना का काम है। इसमें जोर देकर कहा गया कि मणिपुर पूरी तरह प्रभावित है, वहां दुराचार, सशस्त्र टकराव एवं हमले हो रहे हैं, घरों और पूजा स्थलों को तोड़ा जा रहा है, काम-धंधा ठप्प पड़े हैं। बाइडेन प्रशासन की रिपोर्ट आगे कहती है कि भारत के सिविल सोसायटी कार्यकर्ता और पत्रकार भी इन हालात की तस्दीक करते हैं। इस किस्म का घटनाक्रम किसी भी लोकतंत्र में अचानक घट सकता है, जब लोगों का एक वर्ग हथियार उठा ले। भारत में इस किस्म की घटनाओं की खबरें कोई नई नहीं हैं।

लगभग 140 करोड़ लोगों वाले देश में मीडिया रिपोर्टिंग करने के लिए स्वतंत्र है। मणिपुर की बढ़ती हिंसा की प्रतिक्रिया में उम्मीद के अनुसार मोदी सरकार ने सुरक्षा बलों की तैनाती की है ताकि कर्फ्यू लगाकर स्थिति संभाली जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने भी मणिपुर के कुछ घटनाक्रमों में दखल देकर शांति स्थापना के लिए प्रभावशाली उपाय करने को कहा है।

मणिपुर, जो कि चीन की सीमा के पास स्थित है, में हिंसा मोटे तौर पर थम चुकी है। संसद में इस मुद्दे पर तीखी नोक-झोंक भी हो चुकी है, जिसमें विपक्ष ने मणिपुर को लेकर सरकार की नीतियों की आलोचना की है। इस प्रकार के मुद्दे देश के संविधान के ढांचे के भीतर रहकर सुलझाए जा सकते हैं, जिसमें विपक्ष की सक्रिय भागीदारी और सर्वोच्च न्यायालय से गाहे-बगाहे मिलने वाले निर्देश शामिल होते हों। लेकिन भारत को लेकर बिंलकन रिपोर्ट एकतरफा, अयथार्थवादी और राजनयिक सरोकारों से परे प्रतीत होती है। इसको केवल एक गैर-जरूरी प्रयास कहा जा सकता है, जिसके परिणाम में भारत-अमेरिकी रिश्तों में कटुता पैदा हो सकती है।

भारत में हालिया अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम को लेकर जो मुख्य प्रश्न पैदा हुआ है वह यह कि अगर कमला हैरिस जीतती हैं, तब क्या उनकी सरकार अपने पथप्रदर्शक जो बाइडेन द्वारा हालिया दिनों में अपनाई भ्रमपूर्ण और भारत के प्रति कम मित्रता रखने वाली राह अपनाएगी या फिर वे सामरिक संबंध बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाना चाहेंगी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जल्द होने जा रहे हैं। उम्मीद करें कि भारत-अमेरिका रिश्तों में नई शुरुआत होगी। रोचक कि द वॉल स्ट्रीट जर्नल लिखता है, 'कमला हैरिस की उम्मीदवारी बनने से डेमोक्रेट्स नई ऊर्जा के साथ उनके साथ आन खड़े हुए हैं। अब अमेरिका में वह राजनीतिक दौड़ होने जा रही है, जिसका परिणाम कांटे का रहने की उम्मीद है। राष्ट्रपति पद के चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को टक्कर देने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की तैयारी और आत्मविश्वास अब दिखाई देने लगा है।'

राष्ट्रपति चुनाव से पहले के इन कुछ महीनों में अमेरिकी प्रशासन की मुख्य रुचि और ध्यान मुख्यतः रूस-यूक्रेन टकराव पर केंद्रित रहने वाला है, जहां बाइडेन के नेतृत्व वाला पश्चिमी जगत यूक्रेन को हथियार, गोला-बारूद, अस्त्र-शस्त्र जमकर और निरंतर दे रहा है। एक जर्मन संस्थान के अनुसार, अमेरिका और यूरोपियन यूनियन द्वारा 2022 से यूक्रेन को जो सैन्य, वित्तीय और मानवीय सहायता दी जा चुकी है या आगे मिलेगी वह राशि 380 बिलियन डॉलर बनती है। यूक्रेन युद्ध का असर समूचे यूरोप को महसूस हो रहा है। यहां तक कि अज़रबेजान ने भी सूडान के माध्यम से यूक्रेन को बम पहुंचाए हैं। पाकिस्तान ने यह समझकर कि कहीं वह पीछे न रह जाए, यूक्रेन को आत्मघाती ड्रोन, चल-हवाई हमला रोधी प्रणाली और जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलें मुहैया करवाई हैं। जान-माल की इतनी भारी क्षति वाली यह लड़ाई कब तक चलेगी, कोई नहीं जानता। यह चुनौती आगे भी जारी रहेगी, जब तक कि युद्ध का विरोध करने वाले डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति नहीं चुने जाते। ट्रंप इस बारे में एकदम स्पष्ट हैं कि वे अमेरिकी करदाता का धन यूक्रेन युद्ध में बहाए जाने के पक्ष में नहीं हैं।

लेकिन, यदि अंतहीन लगने वाली इस लड़ाई के लिए कमला हैरिस ने बाइडेन की धन और हथियार देने की नीतियां आगे जारी रखना चुना तो ट्रंप के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। हो सकता है शांति समझौते की खातिर रूस कब्जाया कुछ इलाका छोड़ने को राज़ी हो भी जाए लेकिन वह किसी भी सूरत में समुद्र तक जाते पहुंच मार्गों पर, पुराने जमाने से चले आ रहे अपने नियंत्रण पर, समझौता करने को तैयार न होगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की अमेरिका की उन चालों में भागीदार बन रहे थे, जिनसे रूस की क्षेत्रीय संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा बनता हो।

इतना पक्का है कि भारत को यूरोपियन ताकतों की आपसी प्रतिद्वंद्विता और महत्वाकांक्षा में फंसने में कोई रुचि नहीं है। लेकिन, उस सूरत से मुंह भी नहीं फेर सकता जब

एक विदेशी शक्ति भारत के खिलाफ कुप्रचार को बढ़ावा देना चाहे। आखिरकार हम वाशिंगटन में शासन संभाल रहे उस शख्स से बरत रहे थे जिसने उप-राष्ट्रपति रहते हुए, पाकिस्तान दौरे पर राजधानी इस्लामाबाद से रावलपिंडी जाकर पाकिस्तानी सेना मुख्यालय में बैठे चार सितारा जनरल से मुलाकात करने की जहमत उठाई थी। अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिन्कन ने फरवरी, 2021 में भारत की अपनी पहली यात्रा के समय से ही मानवाधिकार हनन का हवाला देना शुरू कर दिया था। तब उन्होंने कहा था 'दुनिया में कुछ ऐसे सरोकार भी हैं, जिनकी अहमियत भारत-अमेरिका संबंधों से अधिक है। हम विश्व के दो अग्रणी लोकतंत्र हैं और हमारी विविधता हमारी राष्ट्रीय मजबूती को सुदृढ़ करती है।'

अभी स्पष्ट नहीं है कि यदि मौजूदा उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो विदेश मंत्रालय को कैसे चलाएंगी। उम्मीद करे कि वाशिंगटन में बैठे लोगों को अहसास होगा कि विरोधाभास तब पैदा हो जाता है, जब एक तरफ वे भारत को अहम सामरिक सहयोगी बताएं तो दूसरी ओर आधिकारिक दस्तावेजों में कथित मानवाधिकार हनन का दोष लगाकर भारत की आलोचना करेंदृ यह सब तब हुआ जब मोदी सरकार तीसरी पारी में आई। रोचक कि कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ ताल ठोक दी है, ट्रंप ने उप-राष्ट्रपति के लिए जिस 39 वर्षीय सीनेटर जेडी वेंस को चुना है, उनकी पत्नी उषा वेंस भारतीय मूल की हैं। जैसे-जैसे चुनावी माहौल जोर पकड़ेगा, हमें रोचक घटनाक्रम देखने को मिलेगा।

538 लोकसभा सीटों पर पड़े वोट और गिने गए वोटों पर अंतर लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) ने सोमवार को एक रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है। 362 लोकसभा की सीटों पर मतदाताओं द्वारा डाले गए और गिने गए वोटो में 5,54,598 वोटो का अंतर है। मतगणना कम वोटों की की गई है। जबकि जीतने वाले प्रत्याशी और दूसरे नंबर के प्रत्याशी के बीच वोटों का अंतर बहुत कम था। इससे जीत-हार प्रभावित हुई है। लोकसभा की 176 लोकसभा सीटों पर वोट कम पड़े और 35093 वोट ज्यादा गिने गए हैं। 538 सीटों पर कुल वोटों का अंतर 5,89,691 पाया गया है। इस संस्था के संस्थापक जगदीप छोकर ने कहा है, कि चुनाव आयोग द्वारा अंतिम मतदान का डाटा जारी करने में भी पारिदर्शिता नहीं बरती गई है। चुनाव आयोग द्वारा अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्र के मतदान के आंकड़े काफी विलंब से जारी किए गए। प्रारंभिक मतदान और अंतिम मतदान के परिणामों में 5 करोड़ से अधिक वोटों का अंतर पाया गया है। अभी भी चुनाव आयोग द्वारा मतदान और मतगणना के आंकड़े मतदान केंद्र के हिसाब से जारी नहीं किए गए हैं। इस कारण लोकसभा चुनाव में मतदान और मतगणना को लेकर संदेह बना हुआ है। जबकि यह जानकारी पूर्व में चुनाव आयोग द्वारा दी जा रही थी। एडीआर ने 79 लोकसभा सीटों का एक अलग विश्लेषण जारी किया है। जिसमें मतदान कम होने की जानकारी दी गई थी। जब मतगणना हुई, उसमें करोडों वोट ज्यादा गिने गए हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग के ऊपर चुनाव प्रचार के दौरान और मतदान के बीच में आदर्श आचार संहिता की जो शिकायतें की गई थीं, उन पर भी चुनाव आयोग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किए जाने तथा शिकायतों का भेदभाव पूर्ण ढंग से निपटारा करने का आरोप लगा है। इसको लेकर भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर लगातार पक्षपात और संदेह व्यक्त किया जा रहा है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स एक ऐसी संस्था है, जिसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी, न्यायिक व्यवस्था से जुड़े हुए न्यायाधीश, वकील और पत्रकार भी शामिल हैं। यह संस्था पिछले कई वर्षों से लोकसभा और विधानसभा के चुनाव का डाटा इकट्ठा करती आ रही है। उसका विश्लेषण करती है, और समय-समय पर वह डाटा सार्वजनिक पोर्टल पर जारी करती है। इस संस्था की बड़ी विश्वसनीयता मतदाताओं, मीडिया और संस्थाओं के बीच में बनी हुई है। यह संस्था बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध डाटा के आधार पर जानकारी उपलब्ध कराते हुए गड़बड़ियों को उजागर करती है। समय-समय पर इस संस्था द्वारा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी याचिकाओं के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था सुदृढ़ करने की कोशिश की गई है। मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकार सुरक्षित रह सकें, इसके लिए समय-समय पर प्रयास करती है। 5 वर्ष पहले भी इस संस्था द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। जिसकी सुनवाई लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के कुछ दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट में शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर चुनाव अधिसूचना जारी होने के कारण डिटेल में जाकर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। याचिका में ईवीएम मशीन, बीवीपेट मशीन, बीवीपेट से निकली हुई मतदान पर्चियों की गिनती, माइक्रोकंट्रोल यूनिट इत्यादि के बारे में प्रश्न उठाए गए थे। सुप्रीम कोर्ट में पिछले चुनाव के दौरान जो गड़बड़ियां थी उसको लेकर याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उस समय, सुनवाई के बाद जो आदेश पारित किए थे, उसका पालन भी चुनाव आयोग द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव में यथावत नहीं किया गया। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया था। उसको बदलते हुए सरकार ने एक नया कानून बनाया। जिसमें प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, और नेता प्रतिपक्ष के तीन सदस्यों की कमेटी ने चुनाव के ठीक पहले तो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति

की। यह नियुक्ति भी विवादों में है। नए कानून को चुनौती देने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। लोकसभा के चुनाव हो चुके हैं। परिणाम भी घोषित हो चुके हैं। लोकसभा के सदस्यों ने शपथ भी ले ली है। सरकार का गठन भी हो गया है। ऐसी स्थिति में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म द्वारा जो रिपोर्ट पेश की गई है। संगठन ने चुनाव आयोग से भी जानकारी मांगी, लेकिन चुनाव आयोग द्वारा जानकारी देने के स्थान पर छुपाया जा रहा है। इससे भी संदेह बढ़ रहा है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव तथा विभिन्न राज्यों के जो विधानसभा चुनाव हुए थे, उसमें चुनाव आयोग द्वारा मतदान की जानकारी शाम को 7 बजे और दूसरे दिन दोपहर 11 बजे तक प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में कितना मतदान हुआ है। उसको मतदान केंद्र के हिसाब से जारी कर देती थी। 2024 के लोकसभा चुनाव की चुनाव आयोग द्वारा जो प्रारंभिक मतदान की जानकारी दी गई थी। उसके कई दिनों बाद मतदान के जो आंकड़े जारी किए गए, उनमें करोडों वोटो का अंतर है।राज्यवार 12 फ़ीसदी तक का अंतर मतदान में है। निर्वाचन क्षेत्र के हिसाब से अभी तक मतदान केंद्र के मतगणना का आंकड़ा मतदान केंद्रों के हिसाब से चुनाव आयोग द्वारा पोर्टल पर नहीं डाला गया है। एक निश्चित समय पर चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को चुनाव याचिका हाईकोर्ट में दायर करनी पड़ती है। इसी तरह से सुप्रीम कोर्ट ने जो आदेश दिए थे, निर्वाचन क्षेत्र का दूसरे नंबर का उम्मीदवार यदि मतगणना से सहमत नहीं है। वह राशि भरकर 45 दिन के अंदर जांच की मांग कर सकता है। इस संबंध में चुनाव आयोग द्वारा अभी तक कोई नियम नहीं बनाए हैं। जिन पराजित उम्मीदवारों ने आवेदन लगाए थे, उस पर भी कोई कार्रवाई अभी तक चुनाव आयोग द्वारा नहीं की गई है। भारतीय लोकतंत्र और संविधान की बुनियाद मतदान पर ही रखी गई है। निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा बहुमत के आधार पर सरकार का गठन किया जाता है। मतदाताओं से मिले हुए इस अधिकार से केंद्र एवं राज्य सरकार का गठन होता है। केंद्र एवं राज्य सरकारें जनता के लिए कानून बनाती हैं। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका उसी के अनुसार काम करती हैं। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। उसको निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ चुनाव कराने की जिम्मेदारी संविधान ने सौंपी है। चुनाव आयोग, चुनाव की निष्पक्षता, पारिदर्शिता और सभी लोगों को चुनाव में समान अवसर मिलें। सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर मिलें। इसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग की तय की गई है। यदि मतदाताओं को चुनाव आयोग पर ही विश्वास नहीं होगा? चुनाव आयोग सरकार के दबाव में काम करेगा, तो लोकतंत्र और संविधान को सुरक्षित रख पाना संभव नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर जो फैसला दिया था, उसमें उन्होंने कहा था, कि चुनाव आयुक्त ऐसा होना चाहिए जो प्रधानमंत्री से भी बिना डर और भय के सवाल कर सके। बिना किसी दबाव में आए काम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में जो कमेटी बनाई थी, उसमें प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और नेता प्रतिपक्ष को शामिल किया था। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को ना मानते हुए, जो कानून बनाया। उसमें तीन सदस्यों की कमेटी में दो सदस्य सरकार के और एक विपक्ष का रखा गया। जिसके कारण चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से लेकर, मतदान और मतगणना पर लगातार प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं। न्यायपालिका की जिम्मेदारी है, जो प्रश्न चिन्ह चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया पर खड़े हुए हैं। उनकी जल्द से जल्द सुनवाई करके, दूध का दूध और पानी का पानी किया जाए। मतदाताओं का चुनाव प्रक्रिया पर विश्वास बना रहे। लोकतंत्र तथा संविधान मजबूत हो। पूर्व चुनाव आयुक्त टीएन सेशन आज भी सबसे सशक्त और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जाने जाते हैं। वर्तमान केंद्रीय चुनाव आयोग से भी अपेक्षा की जाती है। वह अपने संवैधानिक दायित्व को बिना किसी भय और पक्षपात के ईमानदारी से चुनाव कराएं।

सनत कुमार जैन

खेत में बने चर्च में जुटे 200 से ज्यादा आदिवासी, धर्मांतरण का आरोप, विहिप का हंगामा

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के डीडी नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लाखिया में रविवार को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने खेत में बने एक चर्च में हंगामा कर दिया। उनका आरोप है कि यहां पर बीमारी ठीक करने के नाम पर आदिवासियों का धर्मांतरण किया जा रहा था। यहां प्रार्थना सभा में 200 से ज्यादा आदिवासी जुटे थे। हंगामे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। यहां प्रार्थना करा रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया है। मौके से ईसाई धर्म से जुड़ा साहित्य भी जब्त किया गया है।

विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री गौरव शर्मा ने बताया कि लाखिया गांव आमलीपाड़ा ग्राम पंचायत में आता है। गांव में खेत में तथाकथित रूप से चर्च बना रखा है। रविवार को सूचना मिली थी कि यहां धर्मांतरण हो रहा है। सूचना पर वहां जाकर देखा तो 200 से 300 आदिवासी महिला और पुरुष प्रार्थना सभा में बैठे थे। उन्होंने कहा कि सेवा और उपचार के नाम पर धर्मांतरण किया जा रहा है।

शर्मा ने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर खेत के अंदर यह चर्च कैसे संचालित हो रहा है, इसकी परमीशन कैसे मिली? अलग-अलग गांव से लोगों को बुलाकर प्रार्थना सभा के नाम पर धर्मांतरित किया जा रहा है।

बता दें कि, गांव आमलीपाड़ा मुख्य रोड से लगा है। गांव की सड़क किनारे दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग भी है। रेल पटरियों को पार कर खेत में सीमेंट की पक्की सड़क से बीच में से होकर खेत में यह भवन बना हुआ है। हिंदू संगठनों का आरोप है कि काफी समय से यहां पर आदिवासी समाज के लोग आते हैं और प्रार्थना सभा करते हैं।

वहीं, आदिवासी लोगों का कहना है कि कोई धर्मांतरण नहीं हो रहा है। हम तो प्रभु ईशु मसीह की प्रार्थना करने आते हैं। प्रार्थना करने से हमारी बीमारी ठीक होती है। आज भी हम प्रार्थना कर रहे थे। रुपा बाई नामक एक आदिवासी महिला ने बताया कि हमारे पूर्वज ईशु मसीह का धर्म मानते थे। पेट में दर्द होता है, यहां आने पर सुधर गया। वहीं हल्दूपाड़ा से आईं थावरी ने बताया कि काफी समय से बीमार थी। उठ-बैठ नहीं सकती थी। यहां आराधना करने से ठीक हूं।

पुलिस को मौके से अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार प्रोटेक्शन काउंसिल दिल्ली का एक अपॉइंटमेंट सर्टिफिकेट भी मिला है। इस पर प्रभु मचार का नाम लिखा है। इसी व्यक्ति का इस संस्था के नाम का एक आईडेंटी कार्ड भी है। यही व्यक्ति लोगों को प्रार्थना करा रहा था। पुलिस इस व्यक्ति को पकड़कर थाने लेकर आई है।

डीडी नगर थाना प्रभारी रवि दंडोतिया ने बताया कि जो भी तथ्य सामने आते हैं, नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पवन चक्की से कॉपर वायर व केबल चुराने आए बदमाशों ने की सुरक्षाकर्मी की हत्या

माही की गूंज, मंदसौर।

बुधवार अल सुबह 4 बजे गरोठ थाने के ग्राम नारिया में पवन चक्की से ऑयल और कॉपर वायर, केबल चोरी करने आए बदमाशों ने सुरक्षाकर्मी पर जानलेवा हमला कर दिया। शामगढ़ अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इधर फील्ड मैनेजर ने जब पुलिस थाने पर सूचना दी तो उल्टे एएसआई ने जमकर गालिया सुना दी।

मिली जानकारी के अनुसार गरोठ थाना क्षेत्र के गरोठ-मेलखेड़ा रोड पर स्थित नारिया चौराहे से आगे सगोरिया रोड से मानपुरा नारिया कच्चे रोड पर बुधवार सुबह लगभग 4 बजे के आसपास पिकअप से बदमाश आए। वह पवन चक्की से ऑयल, कॉपर वायर, केबल चोरी कर रहे थे। तभी वहां तैनात निजी सुरक्षाकर्मी विशाल प्रजापति निवासी खजूरी रूंडा ने देखकर शोर मचाया। इसके साथ ही अपने फील्ड आफिसर दीपक मालवीय को सूचना दी। इतने में बदमाशों ने सुरक्षाकर्मी विशाल प्रजापति पर जानलेवा हमला कर दिया।

इधर मालवीय ने पहले गरोठ टीआई उदयसिंह अलावा को घटना की जानकारी दी। अलावा ने एएसआई गजेंद्र शर्मा को सूचना देने को कहा। फील्ड ऑफिसर दीपक मालवीय का आरोप है कि टीआई के कहने पर एएसआई शर्मा को फोन लगाया तो एएसआई शर्मा द्वारा किसी भी प्रकार की मदद देने के बजाय सीधे गली-गलौज शुरू कर दी। सूचना मिलने पर पवन चक्की के अन्य सुरक्षाकर्मी भी मौके पर पहुंचे। गंभीर घायल सुरक्षाकर्मी विशाल प्रजापति निवासी खजूरी रुण्डा को शासकीय अस्पताल शामगढ़ पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एसपी ने एएसआई को किया निलंबित

घटनाक्रम की जानकारी मिलने के बाद मंदसौर एसपी अनुराग सुजानिया द्वारा ने फोन रिकॉर्डिंग के बाद गरोठ थाने पर पदस्थ एएसआई गजेंद्र शर्मा को निलंबित कर दिया है।

बर्डिया अमरा में चक्काजाम

सुरक्षाकर्मी की हत्या के बाद स्वजन व ग्रामीण बर्डिया अमरा में चक्काजाम कर रहे हैं। मंदसौर-गरोठ मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम बरडिया अमरा में सड़क पर सुरक्षाकर्मी का शव रखकर प्रदर्शन चल रहा है। स्वजन कलेक्टर को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े हैं। मौके पर गरोठ एएसपी हेमलता कुरील, सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

पति-पत्नी के आपसी विवाद में बली का बकरा बना होटल मैनेजर

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले के शुजालपुर में स्थित एक होटल का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें एक पुलिसकर्मी होटल कर्मचारी पर गुस्से में लाल पीले होते हुए नजर आ रहे हैं, साथ ही उसे धमकियां भी दी जा रही है।

दरअसल, यह पूरा मामला शुजालपुर मंडी में स्थित एक निजी होटल का है, जिसमें बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात शुजालपुर थाने में पदस्थ एक पुलिसकर्मी के द्वारा मैनेजर के अभद्रता की गई। जिसका कारण था होटल मैनेजर के द्वारा गेट देरी से खोलना और पुलिसकर्मी की पत्नी भारती डाबर जोकि एक महिला पुलिसकर्मी है, उन्हें रूम देना, जिसकी शिकायत होटल मैनेजर के द्वारा थाने पर की गई है।

एसआई विजय खत्री और उनकी एसआई पत्नी भारती डाबर शुजालपुर के सिटी थाने पदस्थ है। पति पत्नी के बीच देर रात आपस में विवाद हुआ और उनकी पत्नी घर की जगह निजी होटल चली गई और अपना आईकार्ड दिखाकर वहां रूम ले लिया। पत्नी को तलाशते हुए होटल पहुंचे एसआई विजय खत्री ने होटल का दरवाजा देरी से खोलने व उनकी पत्नी को होटल में कमरा देने पर नाराजगी जाहिर करते हुए विवाद किया और अपशब्द भी कहे गए, जिसके वीडियो विथ ऑडियो के साथ सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे है।

वहीं होटल कर्मचारी के द्वारा उक्त पूरे घटनाक्रम की शिकायत प्रमाण के साथ शुजालपुर मंडी थाने में की गई है, जिसमें उल्लेख किया गया है कि 18 जुलाई की बीती रात एक व्यक्ति होटल के गेट पर आया और अभद्र भाषा का उपयोग कर गेट खोलने के लिए कहा। पुलिस की गाड़ी देखकर हमने गेट खोला, लेकिन वह व्यक्ति गाली देकर मारपीट करने लगा। होटल में एक महिला अपना परिचय पत्र देकर रूम लेकर रुकी थी। उनका नाम भारती डाबर था। महिला और इस व्यक्ति के आपस में क्या रिश्ता है, हमें जानकारी नहीं थी। मुझ पर महिला को जबरन होटल में रोककर रखने का आरोप लगाकर धमकाया गया और पुलिस थाने में बंद करने की धमकी दी गई। बाद में पता चला की वह शुजालपुर सिटी पुलिस थाना पर पदस्थ पुलिसकर्मी विजय खत्री है और होटल में रुकी महिला इनकी पत्नी है।

पटवारी ने लोकायुक्त टीम को देख खेत में लगाई दौड़

माही की गूंज, शाजापुर।

शाजापुर में लोकायुक्त पुलिस ने एक पटवारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पटवारी ने फरियादी से जैसे ही रिश्वत ली और लोकायुक्त की टीम को सामने देखा तो एक पानी से भरे खेत में दौड़ लगा दी। लोकायुक्त डीएसपी ने भी पटवारी के पीछे दौड़ लगाई और कीचड़ में लथपथ पटवारी को धर दबोचा। पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक बसंत श्रीवास्तव ने बताया, शाजापुर जिले के ग्राम हरणगांव निवासी प्रेमसिंह गुर्जर ने शिकायत की थी। बताया कि पिता शंकर सिंह गुर्जर और चाचा भगवान सिंह गुर्जर के नाम 13 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिसके बंटवारे के लिए गांव के पटवारी शाहिद शाह को आवेदन दिया था।

पटवारी ने इसके लिए पहले 80 हजार रुपए की रिश्वत मांगी और जब फरियादी के परिजनों ने कहा कि ज्यादा राशि है तो पटवारी 45 हजार रुपए मांगने लगा। रिश्वत की मांग करने पर फरियादी प्रेमसिंह ने लोकायुक्त पुलिस को शिकायत की।

इसके बाद जाल बिछाते हुए लोकायुक्त पुलिस ने फरियादी की पटवारी से बात करवाई। तय हुआ कि 5 हजार रुपए सोमवार को पटवारी के पास जाकर देने हैं। इसी प्लानिंग के तहत सोमवार को फरियादी के हाथ में केमिकल लगे रुपये देकर पटवारी के निजी कार्यालय में भेजा गया, जहां पटवारी ने कलर लगे हुए रुपये हाथ में लिए।

इसी बीच, मौके पर पहले से सिविल ड्रेस में मौजूद लोकायुक्त टीम को देखकर पटवारी ने दौड़ लगा दी। लेकिन पानी से भरे खेत में से रिश्वत लेने वाले पटवारी को पकड़कर लाया गया।लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी पटवारी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही मामले को जांच में ले लिया है।

पूर्व विधायक को भोपाल की एमपी/एमएलए कोर्ट ने कोर्ट उठने तक की सुनाई सजा

माही की गूंज, शाजापुर।

मामला 2016 का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीहोर जिले के शेरपुर में किसान सम्मेलन को संबोधित करने आए थे। पीएम के सीहोर दौरे के वक्त कुणाल चौधरी को पुलिस ने इस आरोप में गिरफ्तार किया था कि वे काले गुब्बारे उड़ाकर प्रधानमंत्री के दौरे का विरोध कर रहे हैं। इस मामले की सुनवाई हुई और एमपी/एमएलए कोर्ट से पूर्व विधायक और उनके दो साथियों को सजा सुनाई।

भोपाल में प्रदर्शन करने पर दर्ज हुआ था केस

कांग्रेस नेताओं से मिली जानकारी मुताबिक, प्रधानमंत्री किसानों के सम्मेलन को संबोधित करने सीहोर आ रहे थे। चूंकि, केंद्र की सरकार ने 2014 में ही किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। लेकिन, किसानों की आय तो नहीं बढ़ी, बल्कि मंहगाई के कारण लागत बढ़ गई थी। कांग्रेस के नेताओं ने प्रधानमंत्री के सीहोर दौरे का विरोध जताने का ऐलान किया था। लेकिन, पुलिस आई और भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर से गिरफ्तार कर ले गई और केस दर्ज कर दिया।

चौधरी सहित तीन नेताओं को सुनाई सजा

कांग्रेस नेताओं के वकील मुहम्मद शफीक ने बताया कि, पुलिस ने विधि विरुद्ध भीड़ एकत्रित करने और लोगों को आने-जाने से रोकने के मामले में 143, 341 के तहत केस दर्ज किए थे। मंगलवार को हुई सुनवाई में कोर्ट ने कांग्रेस नेताओं को 341 में बरी कर दिया, लेकिन धारा 143 में विधि विरुद्ध लोगों को एकत्रित करने के मामले में कुणाल चौधरी, समीर खान बैतूल और रोहित राजौरिया भोपाल को कोर्ट उठने तक की सजा सुनाई।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई, चार संस्थानों से लिए सेम्पल

माही की गूंज, मंदसौर।

जिला कलेक्टर के निदेर्शानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कार्यवाही के दौरान मंदसौर के चार संस्थानों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते नमूने जब्त किये गये है। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि सोमवार को कार्यवाही के दौरान मंदसौर के पटेल सा होटल से पनीर का नमूना, किशन कन्हैया दूध भंडार से दो दूध के नमूने, श्री देव रेस्टोरेन्ट से लच्छा पाक, प्रिया फूडस से मैंथी मसाला खाखरा के नमुने लिये गये हैं। सभी खाद्य नमुनों को गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य प्रयोगशाला मप्र भोपाल भेजे गये है जहां से जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई के दौरान सभी संस्थानो को अपने यहां साफ सफाई रखने एवं पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

भंवरलाल 30 किमी लोटन यात्रा कर करेंगे पशुपतिनाथ के दर्शन

माही की गूंज, मंदसौर।

पवित्र श्रावण मास में भोलेनाथ की भक्ति का विशेष महत्व है। भोलेबाबा को मनाने के लिए भक्तगण भिन्न भिन्न तरीके से उनको प्रसन्न करते है। कोई पैदल तो कोई साईकिल से तो कोई लौटन यात्रा की मन्नत लेकर भोलेनाथ से मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना करते हैं वह मनोकामना पूर्ण होने पर मन्नत पूरी करने को भी लालायित रहते है।

इसी तरह से दलौदा तहसील के ग्राम आक्या निवासी भंवरलाल माली श्रावण मास में अपनी मनोकामनाओ को लेकर भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए अपने घर से लोटन यात्रा करते हुए 30 किमी दूर पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर जा रहे है। माली के साथ पत्नी विष्णुबाई सहित 10 अन्य परिजन उनकी देखरेख के लिए उनके साथ पैदल चल रहे है। परिजनों ने बताया कि भंवरलाल मालवीय 28 जुलाई को अपने घर से निकले है दो दिन में करीब 14 किमी दूरी तय कर मंगलवार को दलौदा पहुँचे, वही गुरुवार तक वे पशुपतिनाथ मंदिर पहुचेंगे। माली प्रतिदिन 7-8 किमी की लौटन यात्रा कर रहे है। दलोदा पुलिस थाना चोराहे से निकलने को दौरान पुलिसकर्मी मुकेश भदौरिया गोपाल कृष्ण मालवीय व यादवेंद्र सिंह ने उन्हें लोटन यात्रा करते हुए देख उनकी सुरक्षा के लिए फोरलेन हाईवे पर गुजरने वाले वाहनों को एक ओर निकालने के लिए व यात्रा मार्ग में खड़े वाहनों के हटवाने के लिए उनके साथ रहे व उन्हें दलौदा में सकुशल यात्रा करवाई। इस दौरान करीब 3 घण्टे तक पुलिसकर्मी उनके साथ रहे।

कालिका मंदिर में पश्चिमी पोशाक पहनकर आने वाले नहीं कर सकेंगे दर्शन

माही की गूंज, रतलाम।

मध्य प्रदेश के रतलाम शहर में देवी कालिका मंदिर में 'पश्चिमी और तंग' पोशाक तथा शॉर्ट्स पहने श्रद्धालुओं को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कालिका मंदिर के पुजारी राजेंद्र शर्मा ने कहा, 'मंदिर की पवित्रता की रक्षा के लिए पश्चिमी और तंग पोशाक तथा शॉर्ट्स (हाफ पैंट) पहने हुए भक्तों को मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।'

करीब 400 वर्ष पुराने इस मंदिर के चारों ओर प्रतिबंधित कपड़ों के प्रकार का उल्लेख करने वाली कई पट्टिकाएं लगी हुई हैं। मंदिर के पुजारी ने कहा, 'अभद्र पोशाक पहने किसी भी भक्त को मंदिर या गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।' उन्होंने कहा कि ऐसे भक्त मंदिर के बाहर से भी दर्शन कर सकते हैं।

मंदिर की देखभाल कोर्ट ऑफ वार्ड्स एक्ट के तहत रतलाम जिला प्रशासन द्वारा की जाती है। तहसीलदार ऋषभ ठाकुर ने कहा, 'मुझे मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा पश्चिमी परिधानों पर प्रतिबंध लगाने के निर्णय के बारे में पता चला है।' शर्मा ने दावा किया कि रतलाम को बसाने वाले राजा रतन सिंह ने 400 साल पहले इस मंदिर का निर्माण कराया था और कुल देवी की प्रतिष्ठा की थी।

पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी को रिश्वत लेने पर मिली 4 वर्ष की सजा

माही की गूंज, रतलाम।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विशेष न्यायालय ने रिश्वत लेने के मामले में रतलाम के पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी अभियुक्त रामेश्वर चौहान को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत 4 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। उस पर दो हजार रुपये का जुर्माना भी किया गया। विशेष न्यायाधीश आदित्य रावत ने सुनाया।

अभियोजन के अनुसार रतलाम जिले की जावरा तहसील के ग्राम बन्नाखेड़ा में स्थित सुखदेव पांचाल के साईं पब्लिक हाई स्कूल में दिलीप सिंह ने अपने तीन बच्चों को प्रवेश दिलाया था। प्रवेश दिलाते समय उन्होंने लिखित आवेदन दिया था कि वे कुछ समय बाद बच्चों की टीसी और अंकसूची जमा करा देंगे।

स्कूल संचालक सुखदेव पांचाल ने उनसे बाद में भी टीसी और अंकसूची मांगी गई लेकिन उन्होंने जमा नहीं कराई और बताया कि उनके बच्चे मंदसौर जिले के ग्राम कुछडोद मे स्थित सन साइन स्कूल में पढ़ते थे, वहां से टीसी व अंकसूची नहीं दी जा रही है।

दिलीप सिंह ने कई बार सन साइन स्कूल के संचालक प्रकाश जैन से टीसी और अंकसूची देने की मांग की, लेकिन उन्हें देने से मना कर दिया था। इस पर दिलीप सिंह ने मंदसौर के जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदन दिया था, लेकिन वहां से कोई जवाब नहीं दिया गया।

वहीं सन साइन स्कूल के संचालक प्रकाश जैन ने रामेश्वर चौहान ने सुखदेव पांचाल से स्कूल की मान्यता रद्द करने की धमकी देकर 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी।

सुखदेव पांचाल ने इसकी शिकायत 2 मई 2019 को उज्जैन जाकर लोकायुक्त एसपी कार्यालय में की थी। इसके बाद वहां से सुखदेव को रिश्वत की बातचीत रिकॉर्ड करने के लिए वॉइस रिकॉर्ड दिया गया था। सुखदेव पांचाल ने तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी रामेश्वर चौहान के कार्यालय में जाकर उनसे रिश्वत संबंधी चर्चा कर राशि कम करने की बात की थी।

इस दौरान रामेश्वर चौहान 15 हजार रुपये लेने पर राजी हो गए थे। बातचीत टैप करने के बाद सुखदेव पांचाल ने वॉइस रिकॉर्डर लोकायुक्त कार्यालय जमा कर दिया था। लोकायुक्त ने रिश्वत लेते रामेश्वर चौहान को रंगे हाथ गिरफ्तार करने की योजना बनाई और 6 मई 2019 को उज्जैन से दल रतलाम पहुंचा था तथा रामेश्वर चौहान के कार्यालय के आसपास घेराबंदी की थी। सुखदेव पांचाल ने कार्यालय में जाकर रामेश्वर चौहान को 15 हजार दिए तथा बाहर निकाल कर इशारा किया था।

इशारा मिलते ही लोकायुक्त दल के सदस्यों ने रामेश्वर चौहान को रंगे हाथ गिरफ्तार कर उनके कब्जे से रुपये जब्त किए थे। प्रकरण में शासन की तरफ से पैरवी विशेष लोक अभियोजक (एडीपीओ) कृष्णकांत चौहान ने की।

पर्यटन को प्रोत्साहन : भगवान शिव एवं माँ नर्मदा पर आधारित लाईट एवं साउण्ड शो होगा आरंभ

माही की गूंज, खरगोन।

जिले के पर्यटन केन्द्र नगर महेश्वर में स्थित अहिल्या किले पर बहुत जल्द लाईट एंड साउण्ड शो आरंभ होने जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा इसके लिए राज्य स्तर से समन्वय स्थापित कर निरंतर प्रयास किए जा रहे थे। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा टेण्डर जारी कर लाईट एवं साउण्ड शो प्रदर्शन के लिए संस्था मेजिकल थिएटर दिल्ली का चयन किया गया है।

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में 31 जुलाई को आयोजित बैठक में इस शो के प्रारंभ किये जाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश सिंह भी उपस्थित थे। बैठक में संस्था की समन्वयक आशा किरण एवं साईट इंजीनियर विपिन पाठक द्वारा लाईट एंड साउण्ड शो से संबंधित प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया गया कि, प्रमुख सचिव, पर्यटन शिवशेखर शुक्ला के मार्गदर्शन में लाईट एंड साण्उड शो की पुरी स्क्रिप्ट तैयार की गई है। श्री भिमानी द्वारा 90 के दशक में बने महाभारत सिरीयल में ''मैं समय हूँ'' आवाज दी गई है। शो में प्रसिद्ध संगीतकार अमित केलाम एवं कंचमन बब्बर द्वारा संगीत दिया गया है।

भगवान शिव एवं मॉ नर्मदा पर आधारित इस शो में मॉ नर्मदा के उद्गम से वर्तमान में जिले में अविरल प्रवाह, राजमाता अहिल्यादेवी एवं उनकी शिवभक्ति के साथ ही जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के बारे में विस्तार से बताया जायेगा।

कलेक्टर श्री शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित यह शो निःशुल्क रहेगा। पर्यटकों द्वारा यह शो नर्मदा किनारे स्थित अहिल्या घाट पर रात्रि 7 से 8 बजे के मध्य देखा जा सकेगा। यह शो किले की दीवार पर विभिन्न ध्वनि एवं प्रकाश माध्यमों से दिखाया जायेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आकाशसिंह ने बताया कि, लाईट एंड साउण्ड शो के माध्यम से पर्यटक एवं आमजन को महेश्वर जो प्राचीनकाल में माहिष्मति के नाम से जाना जाता था, के इतिहास एवं सांस्कृतिक पहलु के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकेगीं। शो के कारण पर्यटक महेश्वर नगर में अधिक समय व्यतीत करेंगे जिससे पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी।

अवैध कट्टा लेकर घूमने वाले को हुई जेल

माही की गूंज, बड़वानी।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बड़वानी श्रीमती सीता कन्नोजे द्वारा अपने फैसले में अवैध कट्टा लेकर घूमने के आरोप में आरोपी रमेश पिता ज्ञानसिंह निवासी देवझिरी, हालमुकाम कुडिंया बसाहट को धारा 25 आर्म्स एक्ट में 2 वर्ष का कठोर कारावास एवं 500 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अभियोजन की ओर से पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी बडवानी सुश्री कीर्ति चौहान एवं श्रीमति मीना कुशवाह द्वारा की गई। अभियोजन मीडिया प्रभारी सुश्री कीर्ति चौहान ने बताया कि बड़वानी थाने पर पदस्थ प्रधान आरक्षक को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। कस्बा में बस स्टेण्ड राजघाट रोड़ चूना भट्टी में संदिग्ध व्यक्ति की तलाश करते पाटी नाका पहुंचे, जहां एक आदमी पुलिस को देखकर मो.सा. से भागने लगा जिसे हमराह फोर्स की मदद से पकड़ उक्त व्यक्ति का नाम पता पूछने पर पर उसने अपना नाम कभी कुछ कभी कुछ बताने लगा। हिकमत अमली से पुछताछ किया तो अपना नाम रमेश पिता ज्ञानसिंह भटनागर निवासी देवझिरी हाल कुंडिया बसाहट बड़वानी का होना बताया। जिसकी तलाशी लेते पेंट की बाई जेब में एक देशी पिस्टल मिली, पिस्टल को चेक करते पिस्टल की मेगजिन में 2 देशी राउंड लगे मिले । रमेश से पिस्टल रखने व साथ लेकर चलने का लायसेंस का पुछने पर नहीं होना बताया। अतः पुलिस ने आरोपी से मोके पर अवैध कट्टा जप्त कर आरोपी को गिरफतार किया। पुलिस ने प्रकरण की विवेचना पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया।

दो पर जिला बदर की कार्यवाही

माही की गूंज , बड़वानी।

जिला दण्डाधिकारी बड़वानी डॉ. राहुल फटिंग ने पुलिस रिपोर्ट के आधार पर 2 व्यक्तियो को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जिला बदर किया है। जिला बदर की अवधि में यह व्यक्ति राजस्व सीमा बड़वानी एवं उसके समीपवर्ती जिले धार, झाबुआ, अलिराजपुर, खरगोन, खण्डवा, बुरहानपुर, की राजस्व सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार जिला दण्डाधिकारी ने दारू गोदाम के पीछे खलवाड़ी मोहल्ला सेंधवा निवासी राम उर्फ गोविन्द पिता ईश्वर चौधरी को 6 माह के लिये एवं दावल बैडी सेधंवा निवासी राजेश पिता बंशी शिन्दे को 3 माह के लिए जिला बदर किया है ।

अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाया गया

माही की गूंज,खंडवा।

आनंद विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस पर 30 जुलाई को महाविद्यालयीन जनजाति छात्रावास आनंद नगर खंडवा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मित्रता दिवस के इतिहास और महत्व पर चर्चा की गई। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में राज्य आनंद संस्थान के नोडल अधिकारी अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के सहायक संचालक नीरज पाराशर ने कहा की मित्रता में जाति, धर्म, और अमीर गरीब का भेद नहीं होता। मित्रता हैसियत देखकर नहीं की जाती बल्कि मित्रता तो स्वतः ही हो जाती है। संकट आता है तो मित्र ही काम आते है।

डिस्ट्रीक प्रोग्राम लीडर श्री मनसारे ने कहा कि, मित्रता केवल दो व्यक्तियो के बीच ही नहीं वरन दो देशों, दो संस्कृतियों के बीच भी होती है। उन्होंने कहा कि बचपन और छात्र जीवन की मित्रता भुलाए नहीं भूलती, पूरे जीवन याद रहती है। जिला संपर्क व्यक्ति गणेश कानडे ने मित्रता दिवस का महत्व और इसको मनाने का उद्देश्य बताया उन्होंने कहा की यूनेस्को की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 30 जुलाई 2011 को अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाने की घोषणा की गई थी, तब से ही इस दिवस को मनाया जाता है। हर वर्ष इस दिवस की एक थीम घोषित की जाती है। इस वर्ष मित्रता दिवस की थीम ''विविधता को अपनाना और एकता को बढ़ावा देना'' घोषित की गई है, जो विभिन्न पृष्ठ भूमि के लोगों के बीच संबंध, समझ पर जोर देती है वहीं एकता और सहयोग की भावना को बढ़ाती है।

मास्टर ट्रेनर मनीषा पाटिल ने कहा संकट और परेशानियों में मित्र ही है, जो मित्र के साथ हमेशा खड़ा रहता है। इसलिए मित्रों को कभी भूलना नहीं चाहिए। आनंदम सहयोगी महेंद्र ताड़गे और माधुरी सोलंकी ने भी अपने विचार रखें।

पशु चिकित्सा सेवा विभाग के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा

माही की गूंज,खरगोन।

पशु चिकित्सा सेवा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की विस्तार से समीक्षा कलेक्टर ने की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के सीओ , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह बारिया, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवा डॉ. लक्ष्मण सिंह बघेल एवं जिले के सभी ब्लॉक के पशु चिकित्सक उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि, खरगोन जिले में पशु चिकित्सा विभाग की 85 संस्थाएं संचालित है। पिछली पशु गणना के अनुसार जिले में 06 लाख 12 हजार 923 गौवंशीय एवं 02 लाख 74 हजार 497 भैस वंशी पशु है। जिले में घर पहुंच पशु चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए 12 चलित इकाईयां है। 1962 नंबर पर कॉल कर पशु मालिक इस सेवा का लाभ ले सकते हैं। जिले में 11 शासकीय गौशाला संचालित है, जिनमें 1436 पशु है और 24 अशासकीय गौशालाओं में 4060 पशु है। गौ संवर्धन बोर्ड द्वारा माह अगस्त से पंजीकृत गौ शालाओं को प्रति पशु 40 रुपये की दर से अनुदान दिया जाएगा। जिले की ईदारतपुर गौशाला को आदर्श गौशाला के रूप विकसित करने के लिए चिन्हित किया गया है।

कलेक्टर श्री शर्मा ने बैठक में निर्देशित किया कि जिले में संचालित विभाग की सभी संस्थाओं को आकर्षक स्वरूप प्रदान किया जाए। जिसके लिए संस्थाओं की रंगाई-पोताई एवं मरम्मत का कार्य तथा परिसर में पौधारोपण करने एवं परिसर में शौचालय, फर्नीचर आदि का इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। जिले के सभी नगरीय क्षेत्रों में श्वानों को एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाने एवं उनका बदियाकरण करने के निर्देश दिए गए। इसके लिए संबंधित नगरीय निकाय से समन्वय करने कहा गया। जिले में कहीं पर भी सड़क दुर्घटना में पशुओं के घायल होने या मृत होने पर उसके तत्काल उठाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। नगरीय क्षेत्रों में इसके लिए नगरीय निकायों को तत्काल सूचित करने कहा गया। पशु चिकित्सकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र के थाना प्रभारी, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं गौशाला के सतत सम्पर्क में रहे।

पशुधन कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

माही की गूंज,खरगोन।

बीएसएस माइक्रोफायनेंस के सामाजिक उत्तरदायित्व अन्तर्गत बाएफ लाइव्लीहुड्स द्वारा पशुओं में नस्ल सुधार के लिए अपनी निःशुल्क घर पहुँच कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं का विस्तार 31 जुलाई को जिले के भीकनगांव विकासखण्ड के ग्राम चौण्डी में जिला पंचायत सीओ आकाश सिंह, बीएसएस के उपाध्यक्ष राघवेन्द्र शर्मा, बाएफ लाइव्लीहुड्स मध्यप्रदेश के राज्य प्रमुख पवन पाटीदार, बीएसएस के सीएसआर प्रमुख पण्डित पाटील, नाबार्ड के डीडीएम विजेन्द्र पाटील के कर कमलों से भव्य समारोह के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के तहत जिले में तीन कृत्रिम पशुधन विकास केन्द्र अन्दड, घट्टी तथा बाडी की परिधि में आने वाले 30 गांवों के पशुपालकों के पशुओं की नस्ल सुधार के लिए गुणवत्तायुक्त स्वदेशी एवं संकर नस्ल के पारम्परिक सीमेन एवं सेक्स सॉर्टेड सीमेन (90 प्रतिशत बछिया) से कृत्रिम गर्भाधान, चारा विकास, कौशल विकास, पशु बांझपन निवारण एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाना प्रस्तावित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान पशुधन विकास केन्द्र अन्दड के ग्राम चौण्डी का बोर्ड का अनावरण कर कार्यक्रम के शुभारम्भ उपरांत धर्मशाला परिसर में एक पौधा माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। इस अवसर कार्यक्रम स्थल पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें पशुपालकों के लिए की जाने वाली सभी गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान का समय, मर्ग पशु के लक्षण आदि से सम्बंधित जानकरियों के पम्पलेट वितरीत किये गये। मुख्य अतिथि जिला पंचायत सीईओ द्वारा पशुपालकों को अधिक से अधिक संख्या में इस परियोजना से जुडकर लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

प्री-प्लेसमेंट ड्राइव में युवाओं का चयन

माही की गूंज, धार।

प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारी जितेन्द्र सिंह बदनोरा ने बताया कि, आईआईटी की तर्ज पर अब शासकीय आईटीआई धार में भी प्री-प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमे देश की प्रतिष्ठित कंपनी पेनासोनिक एनर्जी पीथमपुर में 18 युवाओं का चयन अपरेंटिसशिप हेतु किया गया। जिसमें युवाओ को प्रशिक्षण के दौरान ही रोजगार का यह सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है। प्री-प्लेसमेंट ड्राइव में साक्षात्कार के माध्यम से पेनासोनिक एनर्जी पीथमपुर द्वारा 18 युवाओं का चयन किया गया। कम्पनी की एच.आर. मैनेजर सारिका पटेल ने बताया कि, बस एवं मेस फेसिलिटी प्रदान की जावेगी। संस्था के प्रभारी प्राचार्य अनिल कुमार राजोरिया ने चयनित युवाओ को नियुक्ति पत्र प्रदान किये एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

ग्राम केरमला स्थित फाइल प्रोसेसिंग इकाई का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

माही की गूंज,बड़वानी।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग द्वारा आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम भारत संकुल बलवाड़ी द्वारा समर्थित बलवाड़ी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के द्वारा ग्राम केरमला स्थित फाइल प्रोसेसिंग इकाई में विजिट की गई । विजिट के दौरान बलवाड़ी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष अंतरसिंग जमरा, संचालक रमेश जमरा तथा कंपनी सीईओ विमलेश यादव द्वारा ऑयल मिल के संदर्भ में जानकारी दी गई । साथ ही कंपनी के द्वारा किए जा रहे व्यवसाय, वार्षिक टर्नओवर, इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । कलेक्टर के द्वारा ग्राम गुराडपानी में आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम भारत द्वारा किस सहभागिता से निर्मित डीबीआई का अवलोकन भी किया गया। जिसमें हितग्राहियों द्वारा विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई । जिसमें किसानों द्वारा बताया गया की डिबीआई एक ऐसी पद्धति है जिसमें बिना किसी अतिरिक्त ऊर्जा के नाले का पानी गुरुत्वाकर्षण बल के प्रभाव से किसानों के खेतों तक पहुंचाया गया । संस्था के माध्यम से क्षेत्र इस प्रकार की कुल 9 गतिविधियों की गई है जिसमें 54 किसान लाभान्वित हो रहे हैं। दौरे के दौरान कलेक्टर ने बलवाड़ी आदिवासी महिला मंडल के कार्यालय में संघ पदाधिकारी के साथ बैठक की। जिसमें संघ की अध्यक्ष ललिता दीदी तथा न्याय समिति के अध्यक्ष सुमली बाई डावर ने महिला मंडल के द्वारा की जा रही। समूह गतिविधियों तथा नीति आयोग से प्राप्त कस्टम हायरिंग गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी गई। जिसमें मुख्यतः सामाजिक न्याय समिति के माध्यम से घरेलू हिंसा, महिलाओं की प्रसूति तथा अन्य ग्राम स्तरीय मुद्दों पर किए गए कार्यों की जानकारी दी गई। विजिट के दौरान अनुविभागीय अधिकारी सेंधवा अभिषेक सराफ, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उपसंचालक आर एल जामरे, आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम भारत की क्षेत्रीय प्रबंधक सुनीता हेंमवानी, कार्यक्रम विशेषज्ञ देवराम यादव, मार्केटिंग ऑफिसर सुनील यादव, संकुल प्रबंधक हेमंत खेरनार सहित अधिकारी व कर्मचारी गण तथा टीम सदस्य गुरुदत्त मंगरोलिया, अंकित रावल, दीपक यादव, लक्ष्मण डावर, सुरेंद्र उइके, केशव शर्मा तथा योगेश कदम उपस्थित रहे।

मन्नत पूरी हुई तो सायकिल से केदारनाथ दर्शन करने निकला युवक

माही की गूंज, अलीराजपुर।

पैरालिसिस जैसी गंभीर बीमारी से जूझ पिता की खुशहाली के लिए 19 बेटे ने बड़ा संकल्प लिया। मन्नत पूरी होने के बाद अब वह केदारनाथ दर्शन के लिए निकले हैं। अलीराजपुर से केदारनाथ 1298 किलोमीटर का सफर साइकिल से ही तय कर रहे हैं। इसके लिए वह रोजाना 50 किमी साइकिल चलाते हैं।

अलीराजपुर के 19 वर्षीय अजय कुमार चौहान केदारनाथ धाम साइकिल से जा रहे हैं। सोमवार को वह मंदसौर में थे। यहां मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि बीमार पिता के स्वास्थ्य लाभ के लिए मन्नत मांगी थी। जिसके बाद पिता जी पूरी तरह से स्वस्थ हो गए। मन्नत पूरी होने के बाद मैंने केदारनाथ दर्शन के लिए साइकिल यात्रा पर निकला हूं।

26 दिनों में पूरी होगी यात्रा

अलीराजपुर से केदारनाथ की दूरी 1298 किलोमीटर है। अजय के मुताबिक, साइकिल से यह सफर पूरा करने में 26 दिन लगेंगे। वह औसतन 50 किमी का सफर प्रतिदिन तय करते हैं। साइकिल में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सोने के लिए बिस्तर और भोजन सामग्री लिए हुए हैं, रात में जहां ठिकाना मिल जाता है रुक जाते हैं। और सुबह फिर सफर पर निलक जाते हैं।

बाबा केदारनाथ की कृपा से ठीक हुई बीमारी

अजय के परिवार की माली हालत ठीक नहीं है। पिता के उपचार में काफी पैसा खर्च हो चुका है। लिहाजा, उनकी इस धार्मिक यात्रा के लिए अलीराजपुर के लोगों ने आर्थिक मदद की है। ताकि उन्हें किसी परेशानी न हो।

अजय के मुताबिक, उनके पिता रवि को पैरालिसिस हो गया था। डॉक्टरों ने अटैक और जान का खतरा बताया था। इसके अजय ने पिता के अच्छे स्वास्थ्य के लिए बाबा केदारनाथ से मन्नत मांगी।

सावन के दूसरे सोमवार को 23 लाख से अधिक का लड्डू प्रसाद बंटा, जमकर हो रही खरीदी

माही की गूंज, उज्जैन।

महाकालेश्वर मंदिर में श्रावण माह के चलते लाखों श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। सोमवार को दूसरी सवारी के दिन यह आंकड़ा 4 लाख के करीब पहुंच गया था। इसे देखते हुए लड्डू निर्माण यूनिट से मंदिर के काउंटरों पर लगभग 91 क्विंटल लड्डू प्रसाद भेजा गया था। इसमें से 50 क्विंटल लड्डू प्रसाद महाकाल भक्तों ने खरीदा। इससे दूसरे सोमवार को मंदिर समिति को करीब 24 लाख रूपए की आय हुई।

महाकालेश्वर मंदिर समिति के सहायक प्रशासनिक अधिकारी मूलचंद जूनवाल ने बताया कि श्रावण का महीना शुरु होने के बाद से महाकाल में रोजाना लाखों श्रृध्दालुओं का आगमन हो रहा है। सावन के दूसरे सोमवार को भी 4 लाख से अधिक भक्तों ने महाकालेश्वर के दर्शन किए और सवारी भी देखी। इधर चिंतामन-जवासिया स्थित लड्डू-प्रसाद निर्माण इकाई के प्रभारी पीयूष त्रिपाठी ने बताया कि लड्डू निर्माण यूनिट में शुद्ध घी के लड्डूओं का गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए निर्माण किया जा रहा है। यहां से निर्माण के बाद पैकेट में लड्डू प्रसाद मंदिर के आंतरिक व बाहरी

परिसर में मौजूद काउंटर से प्रसाद के रुप में श्रृध्दालुओं को उपलब्ध कराया जाता है। मंदिर समिति दर्शनार्थियों को पर्याप्त मात्रा में सरलता से लड्डू प्रसाद उपलब्ध करवाने में अब तक सफल रही है। आम दिनों में महाकाल मंदिर के काउंटरों से 25 से 30 क्विंटल तक लड्डू प्रसाद का विक्रय होता है। परंतु सावन मास के दूसरे सोमवार को लड्डू निर्माण यूनिट से 91 क्विंटल लड्डू प्रसाद सप्लाई किया गया था। इसमें से 50 क्विंटल लड्डू प्रसाद एक ही दिन में भक्तों ने खरीदा। इससे मंदिर समिति को 23 लाख 90 हजार 750 रुपए की आय हुई है।

80 कर्मचारी कर रहे प्रसाद तैयार

बता दें कि महाकाल के लड्डू प्रसाद को भारत सरकार की संस्था फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने हाइजीन के लिए फाइव स्टार रेटिंग दी है। यह लड्डू प्रसाद 100 ग्राम, 200 ग्राम, 500 ग्राम और एक किलो के पैकेट में उपलब्ध रहता है। निर्माण यूनिट प्रभारी श्री त्रिपाठी के अनुसार लड्डू बनाने से पहले एक बार में हलवाई 20 किलो बेसन, 5 किलो रवा को 20 किलो देसी घी में मिलाकर भट्टी की तेज आंच पर डेढ़ से दो घंटे तक सेंकते हैं। इसके बाद इसे मिक्स किया जाता है, ठंडा होने पर इसमें पिसी हुई शकर, इलायची व ड्रायफ्रूट्स मिलाए जाते है और फिर कर्मचारी हाथों से मिश्रण कर लड्डू तैयार करते हैं और फिर इन्हें अलग अलग वजन के पैकेट में पैक किया जाता है। सामान्य दिनों में लड्डू निर्माण यूनिट में 60 कर्मचारी कार्यरत होते हैं लेकिन श्रावण मास में अधिक मांग को देखते हुए 20 अतिरिक्त कर्मचारी लगाए गए हैं। प्रतिदिन खपत के मान से अतिरिक्त स्टाक तैयार किया जा रहा है।

विधायक के बेटे व साथियों पर शराब कारोबारी के लोगों ने किया हमला

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अलीराजपुर में कांग्रेस विधायक के बेटे और उनके साथियों पर शराब कारोबारी के गुंडों ने हमला कर दिया। इस हिंसक घटना में दो लोग घायल हो गए हैं। दोनों पक्षों में विवाद हुआ और फायरिंग तक नौबत पहुंच गई। कोतवाली पुलिस ने इस घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज की है और एससी-एसटी एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शराब कारोबारी से जुड़े बताए जा रहे दूसरे पक्ष के पांच लोगों को हिरासत में लिया है।

इस हमले में विधायक के बेटे और उनके साथियों को चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों में इस घटना से भय और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दोषियों को सजा दिलाने का आश्वासन दिया है। यह घटना क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाती है और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग करती है।

गूंज असरः लालपुर विद्यालय पर गिरी गाज मास्टर साहब को थमाया नोटिस

माही की गूंज | रतलाम/मंदसौर/शाजापुर | 25 जुलाई 2024 | 5

शासकीय विद्यालय में नही मनाया गुरू पुर्णिमा उत्सव, स्कूल में लगे रहे ताले

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

मुसीबत भरा शिक्षा का सफर पढ़ने के लिए कीचड़ के दलदल से निकलने को मजबूर मासूम

माही की गूंज, शुजालपुर।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जारी किए गए शिक्षा विभाग के आदेश की अवहेलना करना शिक्षकों को भारी पड़ गया। शिक्षा विभाग का फरमान था कि प्रत्येक शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया जाए। आदेश में शनिवार और रविवार दोनों ही दिन में अलग-अलग कार्यक्रम फिक्स भी किए गए थे। परंतु जिम्मेदारो द्वारा आदेश का उल्लंघन करते हुए रविवार को स्कूल में कुछ भी प्रतियोगिता नहीं करवाई गई। न ही सरस्वती वंदना न गुरु वंदना न ही उस दिन दीप प्रज्वलन और न ही माल्यार्पण कराया गया। कराते भी कैसे मास्टर साहब तो रविवार की छुट्टी समझकर आराम फरमा रहे थे उन्हें क्या पता कि मोहन सरकार में रविवार को भी स्कूल खुलने लगे हैं। स्कूलों में दिन भर लगे रहे ताले इस मामले को माही की गूंज ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था जिसका बड़ा असर हुआ और स्कूल शिक्षा विभाग विकासखंड, बिआरसी अधिकारी द्वारा स्कूल संचालकों को नोटिस थमाते हुए कार्यवाही की है। बीआरसी सुरेंद्र गोखले का कहना है, अभी नोटिस जारी किया है जवाब के बाद ही कार्यवाही कर पाएंगे।

शुजालपुर सीटी थाने परिसर में किया वृक्षारोपण

माही की गूंज, शुजालपुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एक पौधा अपनी मां के नाम का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मध्य प्रदेश के सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी एक पौधा अपनी मां के नाम पर लगाकर मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का संकल्प पूर्ण करने में लगे हैं इसी अभियान के तहत शुजालपुर के थाना प्रभारी प्रवीण पाठक ने अपने थाने में एक पौधा अपनी मां के नाम लगाकर एक अच्छा संदेश दिया है। थाने के परिसर में एसडीओपी पिंटू कुमार बघेल थाना प्रभारी प्रवीण पाठक के साथ इन लोगों ने परिसर शुजालपुर सीटी पर पोधा रोपण का कार्यक्रम राकेश राजपूत होटल सौभाग्य पैलेस पूर्व भारतीय थल सेना से प्रिंस हार्ड वेयर लखन परमार तथा हरी ओम ट्रेडस से अजय मतलानी की उपस्थिति में जाकर किया पर्यावरण को हरा भरा बनाए रखने के लिए एक छोटा सा प्रयास किया गया। एक पौधा अपनी मां के नाम लगाकर प्रकृति को और पर्यावरण को बचाने का कार्य किया।

जिला जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से बंदियों को मिलेगी निःशुल्क कानूनी मदद

माही की गूंज, शाजापुर।

सक्षम एवं निःशुल्क विधिक सेवा प्रदान करने के लिए नालसा एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार लीगल एड क्लीनिक्स रेगूलेशन 2011 के प्रावधानों के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर द्वारा जिला जेल शाजापुर एवं उप जेल शुजालपुर में जेल लीगल एड क्लीनिक्स की स्थापना की गई है। जेल लीगल एड क्लीनिक नालसा एसओपी के अनुपालन में तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ललित किशोर के मार्गदर्शन में जिला जेल शाजापुर में सचिव एवं जिला न्यायाधीश सिराज अली के मुख्य आतिथ्य में जिला जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया गया तथा नालसा एसओपी के पालन में जेल लीगल एड क्लीनिक के संचालन के निर्देश दिए। जेल अधिकारियों से बंदियों के प्रति सुधारात्मक प्रणाली अपनाई जाने के लिए विशेष ध्यान देने को कहा।

निरीक्षण के पश्चात विधिक जागरूकता शिविर के दौरान सचिव एवं जिला न्यायाधीश सिराज अली ने कहा कि मामूली अपराधों में लंबे समय से बंदियों की जमानत के लिए लीगल एड क्लीनिक व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मदद करेगा। बंदियों को क्लीनिक के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराए जाएंगे। जेल अधिकारी कैदियों के साथ ऐसे सुधारात्मक तरीके अपनाएं ताकि वह बाहर निकल कर समाज में बेहतर नागरिक बन सकें। साथ ही जिला जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक पर शिकायत पेटी भी लगाई गई है। शिकायत पेटी में जेल बंदी को अवगत कराया गया कि अपने प्रकरण से संबंधीत अपील, जमानत, स्वास्थ्य मुलाकात संबंधी आ रही दिक्कतों के संबंध में बिना किसी डर, निसंकोच के साथ अपनी परेशानी शिकायत पेटी में डाल सकते है। नालसा एसओपी के अनुसार माह के अंतिम शनिवार को उक्त शिकायत पेटी सचिव एवं जिला न्यायाधीश सिराज अली के द्वारा खोली जाकर प्राप्त शिकायतों का निराकरण तत्परता के साथ किया जायेगा। स्थापित इस जेल लीगल एड क्लीनिक में प्रत्येक सप्ताह चार दिन सोमवार, बुधवार, शुकवार एवं शनिवार को 2 जेल विजिटर अधिवक्ता, 2 सामुदायिक पैरालीगल वालेन्टियर्स एवं 2 दण्डित बंदी पैरालीगल वालेन्टियर्स के रूप में अपनी सेवाएं नियुक्ति आदेशानुसार जेल बंदियों को देंगें। जेल लीगल एड क्लीनिक के संचालन से जेल बंदियों को तत्काल कानूनी मदद उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सुनयना श्रीवास्तव, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, डॉ. स्वाती चौहान, धीरज आर्य, फारूक अहमद सिद्दीकी जिला विधिक सहायता अधिकारी, जेल स्टॉफ, जेल विजिटिंग लायर्स एवं जेल में निरूद्ध बंदिगण आदि मौजूद थे।

मुख्य प्रहरी ने खाया जहर, 9 बजे अंतिम विदाई डाला स्टेटस

माही की गूंज, शुजालपुर। उपजेल शुजालपुर में पदस्थ मुख्य प्रहरी ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। इलाज के लिए उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

उज्जैन निवासी मनोहर लाल परमार एक साल पहले ही शुजालपुर पदस्थ हुए थे। शुजालपुर में उप जेल के पास वह सरकारी क्वार्टर में पत्नी के साथ रहते है। उनके बच्चे इंदौर में रहते है और उनका स्थायी घर भी इंदौर में है। सुबह मुख्य प्रहरी ने खुद फोन कर जेलर को बताया कि मैंने जहरीला पदार्थ खा लिया है। सूचना पर तत्काल उन्हें जेल की आपातकालीन वाहन से शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने सुबह 9:20 बजे मोबाइल पर अंतिम विदाई का स्टेटस भी लगाया था। फिलहाल उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना से कुछ समय पहले ही उनकी पत्नी शुजालपुर स्थित निवास से बाहर के लिए रवाना हुई थी। उनका मोबाइल भी घर पर होने से अभी उनको घटना की सूचना नहीं दी जा सकी है।

परिवार के अन्य लोगों को जानकारी दी गई है, लेकिन वे अभी अस्पताल नहीं पहुंचे है। मुख्य प्रहरी को सुबह 10:20 बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सहकर्मी जेल आरक्षक सूरज उपाध्याय उनके साथ निजी अस्पताल पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी वरिष्ठ अधिकारी देंगे। उन्होंने इस सूरज उपाध्याय उनके साथ निजी अस्पताल पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी वरिष्ठ अधिकारी देंगे। उन्होंने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि जहर खाने की सूचना पर मुख्य प्रहरी को अस्पताल लाए है। अस्पताल से शुजालपुर मंडी पुलिस थाना को मेडिको-लीगल केस की सूचना (एमएलसी) भेजी गई है। मंडी थाना पुलिस को मामले की अभी जानकारी नहीं है।

कृषि उपसंचालक ने किया फसलों का अवलोकन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

उप संचालक कृषि, अलीराजपुर द्वारा गत दिनों ग्राम सोण्डवा, औझड, उमराली, दरकली, अठावा, छोटी वेगलगांव में भ्रमण कर फसल स्थिति का अवलोकन किया गया। भ्रमण के दौरान ग्राम उमराली के किसान पारला पिता ढोकलिया के खेत में सोयाबीन फसल प्रदर्शन की नवीन किस्म आरवीएस 2001-04 का अवलोकन कर किसानों को नवीन किस्म के बीजो को बुवाई हेतु अगले 3 वर्षों तक उपयोग करने एवं बीज तैयार करने की सलाह दी गई। ग्राम अठावा के किसान श्री गुमान पिता भेरू के खेत में सोयाबीन फसल प्रदर्शन एवं ग्राम छोटी वेगलगांव के किसान श्री बहादुर पिता पुना के खेत में उड़द फसल की नवीन किस्म आईपीयू 13-01 का अवलोकन कर किसानों को सलाह दी गई की ये किस्म पीला मौजेकरोधी है इस किस्म को अधिक-अधिक किसानों के यहां फैलाना है। इसी प्रकार ग्राम वेगलगांव के कृषक श्री झंझाड़िया के खेत में मूंगफली की नवीन किस्म के फसल प्रदर्शन का अवलोकन किया गया। उप संचालक कृषि ने किसानों से अपील की वे लगातार वर्षा होने पर निचली भूमि में जल भराव होने की स्थिति निर्मित हो जाती है। लगातार खेत में जलभराव होने पर फसल सड़ने लगती है। ऐसी स्थिति में खेतों की मेड़ों से अतिरिक्त पानी की निकास करने की सलाह दी गई।

उड़द एवं सोयाबीन फसलों में पीला मोजेक रोग जो सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। जिसका नियंत्रण करने से यह रोग नहीं फैल जाता है।, सफेद मक्खी की रोकथाम के बीज उपचार करना चाहिए पीले पौधे जैसे ही दिखाई पड़े, उन्हें उखाड़कर नष्ट करना चाहिये, खेतों को हमेशा साफ, एवं खरपतवार रहित रखना चाहिये। रोग नियंत्रण हेतु खडी फसल में 35 दिन बाद की अवस्था पर थायोमेथोक्जाम 25 डब्ल्यू जी 100 ग्राम प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। या इमिडाक्लोरोप्रिड़ 17.8 एस.एल. दवा 600 मिली./हेक्टेयर का छिड़काव बोनी के 35 दिन पर करें। लाभकारी अंतवर्ती फसल अरहर, मक्का ज्वार आदि का उपयोग करें। अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी गई। भ्रमण के दौरान उप संचालक कृषि के साथ क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी दिलीप तोमर, मड़िया भूरिया करण डावर एवं क्षेत्र के किसान मौजूद थे। उक्त जानकारी उप संचालक कृषि विभाग द्वारा दी गई।'

हरिनगर चौकी की पुलिस पर युवक को पीट-पीट कर मार देने का आरोप

पुलिसकर्मियों और आला अधिकारियों का इंकार फिर रमसू की मौत का कौन ज़िम्मेदार...?

माही की गूंज। संजय भटेवरा

झाबुआ। काकनवानी थाने के अंतर्गत आने वाली हरिनगर चौकी के पुलिसकर्मियों पर ग्राम छायन के निवासी रमसू को पीट-पीट कर मार देने के आरोप में ग्रामीणों ने शव को चौकी के बाहर रखकर हंगामा किया था व चौकी में तोड़फोड़ भी की थी। मृतक के परिजनों का आरोप था कि, पुलिसकर्मी रात 12 बजे रमसू को उठा कर ले गए और उसकी 2 घंटे तक बेरहमी से पिटाई की जिससे उसकी मृत्यु हो गई। जबकि पुलिसकर्मी और आला अधिकारी पिटाई से इंकार करते रहे। वही परिजन और गांव के लोग पुलिस कर्मियों पर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग कर रहे थे।

यह था पूरा घटना क्रम

मृतक रमसू के पुत्र को किसी मामले में पुलिस तलाश कर रही थी। जिस संबध में पुलिस कर्मी रमसू के जरिए उसके पुत्र पर दबाव बनाकर उसे बुलाना चाह रहे थे। इसके लिए पुलिसकर्मीयो द्वारा रमसू को रात 12 बजे उठाया गया था और रात को लगभग 2 बजे सरपंच को फोन कर उसके सुपुर्द कर दिया था। मगर सरपंच का कहना है कि, जब रमसू को पुलिस ने उसके सुपुर्द किया तब उसकी मृत्यु हो चुकी थी।

जब आरोपी नही रमसू तो पुलिस ने उठाया ही क्यों...?

जब रमसू किसी प्रकरण में आरोपी ही नहीं था तो रमसू को पुलिस को अपनी अभिरक्षा में लेने का कोई अधिकार ही नहीं था। पुलिस अक्सर कानून और नियमों के विरुद्ध जाकर अक्सर ही सामने आता है की किसी भी मामले में कोई आरोपी हो या किसी आरोप में संदेह के घेरे में होने पर परिवार के अन्य व्यक्तियो को पुलिस पकड़ कर ले जाती है। ओर संदेह एवं आरोपित की जानकारी निकालने के लिये परिवार के बेगुनाह व्यक्ति से मारपिट कर पुछताछ करती है। जबकि ये सीधा-सीधा लोगों की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का हनन है। आरोपी के सिवा पुलिस को किसी भी परिवार के अन्य व्यक्ति को अपनी अभिरक्षा में लेने का कोई अधिकार नहीं है। इन्ही वजहों से पूर्व में कई बार पुलिस कर्मियों पर पिटाई के बाद मौत व जख्मी करने के आरोप लगे हैं। साथ ही कई बार लोग निर्देश होते हुए भी बदनामी से आत्महत्या तक कर चुके हैं। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच की जानी चाहिएं।

मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट, रोजनामचा,पुलिस कर्मियों की कॉल डिटेल का रिकॉर्ड निकला जाना चाहिए कि उस रात किसने सरपंच को कॉल किया था और अगर जांच में पुलिसकर्मी दोषी पाए जाते है तो उन पर हत्या का प्रकरण दर्ज किया जाना चाहिए। क्योकि इसकी जगह कोई आम आदमी होता तो हत्या के मामले में परिजनों के आरोप लगा देने भर से अभी वो जेल में होता, तो आम आदमी हो या पुलिस कर्मी कानून सबके लिए बराबर है...।

लाखों का खर्च : बिना संचालन के खंडहर होकर विद्यालय में बने नए भवन

हाई स्कूल का हायर सेकेंडरी में उन्नयन होने पर खाली पड़े कक्ष

माही की गूंज ,बरवेट। जगदीश प्रजापति

पेटलावद विकास खंड के ग्राम बरवेट में एकीकृत माध्यमिक विद्यालय के कुछ नए भवन खंडहर के रूप में तब्दील हो रहे है। दो दशक पहले निर्मित भवन में अब कक्षाएं संचालन नहीं हो रही है। जिससे स्कूल में बने भवन जर्जर हो रहे है। अगर इनका उपयोग प्रारम्भ हो जाए तो लाखों के बने भवन जर्जर होने से बच जाएंगे। आश्चर्य तो यह है कि, इतने दिनों से भवन उपेक्षित है। इस ओर किसी अधिकारियों का ध्यान ही नही गया। वही ग्रामीणों ने मांग की है कि, बरवेट में कन्या प्राथमिक को कन्या माद्यमिक में उन्नयन किया जाए। ताकि जर्जर हो रहे भवन का सदुपयोग हो सके ओर भवन खंडहर होने से बच जाए। जबकि बरवेट संकुल के अंतर्गत आने वाले माद्यमिक विद्यालय में छात्रो के अनुपात में छात्राओं की संख्या ज्यादा है।

गौरतलब है कि, दो दशक पहले करीब लाखो की लागत से जूनियर हाईस्कूल भवन का निर्माण कराया गया। लेकिन हाई स्कूल का हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन होने से बरवेट को नया हायर सेकेंडरी स्कूल भवन स्वीकृत हो कर बरवेट से एक किलोमीटर दूर नया हायर सेकेंडरी भवन बन गया है। जिसमे 9वी से 12वी तक कि कक्षाए शुरू हो गई है। इसीलिए इन कक्षो की ओर ध्यान नही दिया जा रहा है। बीते दो वर्ष का समय बीत गया, वर्तमान में स्थिति यह है कि दरवाजा, खिड़की टूट रहे है। बाहर के फर्स क्षतिग्रस्त हो रहे है। पूरा भवन खंडहर दिखाई देने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि, जब विद्यालय का निर्माण शुरू हुआ तो खुशी हुई कि बच्चों के लिए जूनियर हाईस्कूल तक की शिक्षा आसान हो जाएगी, परंतु अब इन जर्जर होते कक्षो की सुध लेने की आवश्यकता है।

छात्राएं ज्यादा

बरवेट संकुल के अंतर्गत छह माद्यमिक विद्यालय है। जिनका अनुपात देखा जाए तो छात्राओं की संख्या छात्रों से ज्यादा है। बरवेट माद्यमिक विद्यालय में कुल 233 छात्र-छात्राए है, जिनमे छात्र 102 ओर छात्राए 131 है।

कन्या माध्यमिक विद्यालय का उन्नयन हो

बरवेट के भाजपा नेता संजय परमार ने बताया कि, माद्यमिक विद्यालय बरवेट में आधे दर्जन से अधिक कक्ष खाली पड़े है जिनमे कक्षाएं संचालन नही होने से जर्जर हो रहे है। हम कन्या माद्यमिक विद्यालय की मांग कई बरसो से कर रहे है। हमने इस बारे में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया को पत्र देकर मांग की है कि, बरवेट में कन्या प्राथमिक विद्यालय का उन्नयन कन्या माद्यमिक विद्यालय में किया जाए। जिससे अनुपयोगी पड़े कक्षो का उपयोग भी हो जाएगा ओर भवन जर्जर होने से बच भी जाएंगे।

आद्यौगिक क्षेत्र के जहरीले धुएं से जल गई किसानों की सारी फसलें, तहसीलदार को ज्ञापन देकर लगाई न्याय की गुहार

आखिर कब होगी जहर के इन निर्यातकों पर कार्रवाई...?

माही की गूंज, मेघनगर। इमरान शेख

मेघनगर आद्योगिक क्षेत्र के जहरीले उद्योगों के खिलाफ बुधवार को फिर एक बार व्यापक विरोध और आक्रोश देखने को मिला। फुट तालाब के सैकड़ों ग्रामीण हाथों में अपनी जली हुई मक्का की फसलें लेकर इन जहरीले उद्योगों के खिलाफ तहसील कार्यालय मेघनगर में प्रदर्शन करते नजर आए। जहा उन्होंने तहसीलदार मेघनगर को इन उद्योगों के खिलाफ कारवाई हेतु एक ज्ञापन देकर इंसाफ की गुहार लगाई। जिस पर हमेशा की तरह तहसीलदार मेघनगर द्वारा उन्हें जांच का आश्वासन दे दिया गया। जिसके बाद ग्रामीणों ने एक आवेदन थाना मेघनगर में देकर भी इन उद्योगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और कहा अगर अब कार्रवाई नही हुई तो फिर किसी भी प्रकार की अनहोनी पर प्रशासन जिम्मेदार होगा।

सभी कानूनों का उल्लंघन फिर भी इन जहरीले उद्योगों पर कार्रवाई क्यों नही

पर्यावरण सरंक्षण कानून 1986, जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 सहित सभी पर्यावरण संरक्षण कानूनों का उलंघन करने के बाद भी इन उद्योगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नही होती है और इन उद्योगों के जहर का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। इन उद्योगों में क्या बनता है ये भी कोई नही जानता। जिन उद्योगों के धुऐं मात्र से किसानों की एक रात में मक्का की इतनी फसलें जल कर बर्बाद हो गई वो धुआं इंसानी जीवन और मानव अंगों पर क्या प्रभाव डाल रहा होगा? और कितना ज्यादा खतरनाक होगा इसका अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है।

सबके पास अधिकार मगर कार्रवाई के लिए कोई तैयार नहीं

जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 32 में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को ये अधिकार है की वो किसी भी उद्योग को बंद कर सके। इन उद्योगों ने पूरे क्षेत्र का जल प्रदूषित कर दिया मगर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी बजाए इन उद्योगों को बंद करने के बजाए इस धारा के जरिए हर बार इन उद्योगों से अपने आर्थिक हित साधकर चले जाते हैं। तो वही कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार सहित क्षेत्र के किसी भी मजिस्ट्रेट को भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिंता की धारा 152 लोक बाधा (पब्लिक न्यूसेंस) ये अधिकार देती है की वो ऐसे किसी भी उद्योग या व्यवसाय को तत्काल बंद करवा सकते है। तो वही पुलिस के पास भी भारतीय न्याय संहिता में जनहानि की संभावना होने पर कई धाराओ में प्राथमिकी दर्ज करने और कार्रवाई के अधिकार है। मगर कोई भी जिम्मेदार अपने अधिकारों का उपयोग करने को तैयार नहीं है। नतीजन लोकतंत्र की मालिक, जनता जहरीला पानी पीने, जहरीली सांसें लेने को मजबुर है। तो वही अन्नदाता, किसान अपनी जमीन के बंजर हो जाने और फसलें जल जाने से त्राहिमाम त्राहिमाम है। मगर ना तो प्रशासन कोई कार्रवाई कर रहा है इस जहर के खिलाफ। वही जनता के वोट लेने वाले जनप्रतिनिधियो की खामोशी भी कई सवाल खड़े कर रही है।

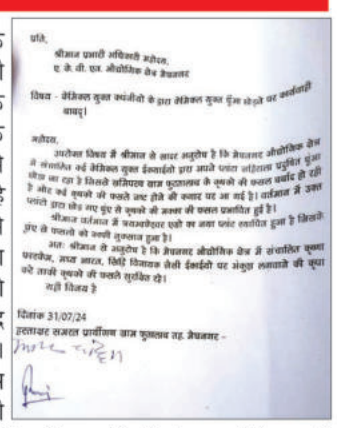

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422